लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

26 नवम्बर 2026 गुरूवार
वर्ष : 20 अंक: 142
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com



एडवांस्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का नया हब मेरठ : योगी

- 2,900 करोड़ से लगेगी बॉल कॉर्पोरेशन की एल्युमिनियम बेवरेज कैन इकाई, शिलान्यास
- साढ़े नौ वर्षों में यूपी में फैक्ट्रियों की संख्या 14,000 से बढ़कर 35,000 के पार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्रांति और वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे की कड़ी में बुधवार को एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर में वैश्विक दिग्गज

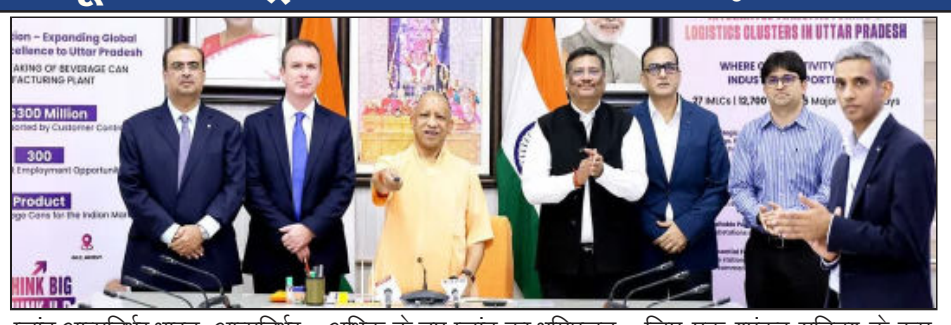

बॉल कॉर्पोरेशन की नई मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का शिलान्यास किया। 2,900 करोड़ से अधिक के भारी–भरकम निवेश से स्थापित होने जा रही एल्युमिनियम बेवरेज कैन की विश्वस्तरीय इकाई के भूमिपूजन अवसर पर मुख्यमंत्री ने बॉल कॉर्पोरेशन की टीम का आभार जताते हुए कहा कि यह प्लांट आत्मनिर्भर भारत–आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशश और विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने प्रदेश में आ रहे निवेश की निरंतरता का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले सीएनएच इंडस्ट्रियल के 1,200 करोड़ से अधिक के नए प्लांट का भूमिपूजन हुआ, दो दिन पूर्व ताइवान की क्रिएटिव सेंसर के साथ 1,100 करोड़ से अधिक के निवेश पर सार्थक संवाद हुआ और आज मेरठ में बॉल कॉर्पोरेशन का शिलान्यास हो रहा है, जो उत्तर प्रदेश के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का जीवंत प्रमाण है।यह परियोजना क्षेत्र के लिए एक श्एंकर यूनिटश के रूप में कार्य करेगी, जिससे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। स्थानीय एमएसएमई, पैकेजिंग सप्लायर्स, लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट और रीसाइक्लिंग पार्टनर्स के लिए व्यापार के नए द्वार खुलेंगे। ओडीओपी स्पोर्ट्स गुड्स के लिए मेरठ में मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी हो रहा है और अब स्पोर्ट्स व पारंपरिक उद्योगों के साथ मेरठ एडवांस्ड ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बन रहा है।उन्होंने कहा कि नमो भारत रैपिड रेल, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, दिल्ली–एनसीआर व 25,000 हेक्टेयर के यीडा क्षेत्र, जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की निकटता तथा ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की पहुंच मेरठ को तेज, निर्बाध और वर्ल्ड–क्लास मल्टी–मोडल कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए उद्योग, निवेश और लॉजिस्टिक्स के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर बंद करने के फैसले को चुनौती, दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा करतारपुर साहिब गलियारे को बंद करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह गलियारा पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ता है। गुरुद्वारा दरबार साहिब सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव का अंतिम विश्राम स्थल है। इसे सात मई, 2025 से बंद कर दिया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांब्रे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने कहा कि वह सरकार के नीतिगत फैसले में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।



पीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने और उन्हें बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह गलियारा शुरू किया गया था।

रिकॉर्ड से पता चलता है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने सात मई, 2025 से श्री करतारपुर साहिब गलियारे की सेवाएं स्थगित करने का नीतिगत फैसला लिया था। भारत सरकार ने फैसला नागरिकों के हित में किया है। पीठ ने कहा कि उपर्युक्त नीतिगत फैसले को देखते हुए असाधारण रिट अधिकार क्षेत्र के तहत इसमें हस्तक्षेप करने का हमें कोई कारण नजर नहीं आता।

दिल्ली हाईकोर्ट का सौरव दास की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार

एजेंसी,नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास की याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सौरव दास ने दावा किया था कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने लंदन जाने से रोक दिया, जहां उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एक लेक्चर देना था। सौरव दास के वकील ने बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश (एसीजे) नितिन वासुदेव साम्ब्रे के सामने इस मामले का जिक्र किया और बुधवार को ही तत्काल सुनवाई की मांग की। वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोका गया था। उन्हें विदेश यात्रा से रोकने वाला कोई आदेश या लुक आउट सर्कुलर नहीं दिखाया गया।



वकील ने कहा, मुझे इमिग्रेशन पर रोका गया। मुझे कोई आदेश नहीं दिखाया गया। न तो कोई एलओसी था और न ही किसी अथॉरिटी की ओर से मुझे विदेश यात्रा करने से रोकने का कोई निर्देश था। मैं अपनी याचिका पर आज ही तत्काल सुनवाई की मांग कर रहा हूं। अगर सुनवाई हो जाए, तो मैं27 तारीख तक यूनाइटेड किंगडम पहुंच सकता हूं। उन्होंने हाईकोर्ट से बुधवार को ही इस मामले पर सुनवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि सौरव दास की फ्लाइट गुरुवार शाम को है, और अगर इस पर तुरंत सुनवाई नहीं हुई, तो याचिका का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। हालांकि, एसीजे साम्ब्रे ने तत्काल सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया और कहा कि इस मामले पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

टीवीएस मोटर तमिलनाडु में २,००० करोड़ रुपए का निवेश करेगी

एजेंसी,नयी दिल्ली । टीवीएस मोटर कंपनी तमिलनाडु में अगले चार वर्षों के दौरान 2,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और इससे 1,000 रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने तमिलनाडु सरकार के साथ एक गैर–बाध्यकारी समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है। सूचना के अनुसार, तमिलनाडु सरकार अपनी नोडल एजेंसी गाइडेंस के माध्यम से टीवीएस मोटर को आवश्यक बुनियादी ढांचागत सुविधाएं और नियामकीय प्रक्रियाओं में सहायता उपलब्ध कराएगी। यह सहयोग लागू कानूनों के अधीन होगा।

महिला सशक्तीकरण केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

एजेंसी,नागपुर। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि महिला सशक्तीकरण सरकारों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, नागरिक समाज और परिवारों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से महिलाओं को कौशल हासिल करने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करने का आग्रह किया। राधाकृष्णन राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में स्वयंसिद्धा पहल के तहत आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन विजया शिक्षा के माध्यम से सशक्तीकरण का सफर के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए स्वयंसिद्धा कार्यक्रम की परिकल्पना उच्च शिक्षण संस्थानों को महिला सशक्तीकरण की प्रक्रिया से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी। राधाकृष्णन ने कहा, शिक्षा को महिलाओं के लिए कक्षाओं से निकलकर शोध, पेशेवर करियर, प्रशासन और संस्थागत निर्णय लेने की प्रक्रियाओं तक पहुंचने के रास्ते खोलने चाहिए। विश्वविद्यालयों को महिलाओं को कौशल हासिल करने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने, आत्मविश्वास बढ़ाने और नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से विद्यार्थियों की जरूरतों को पहचानने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि खासतौर पर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को डिजिटल सुविधाओं, करियर मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण तक पहुंच उपलब्ध कराई जानी चाहिए।



उपराष्ट्रपति ने कहा, महिला सशक्तीकरण सरकारों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, नागरिक समाज और परिवारों की साझा जिम्मेदारी है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) का उल्लेख करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि उच्च शिक्षा में महिलाओं का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 2014–15 में लगभग 23 प्रतिशत था, जो 2023–24 में बढ़कर 31 प्रतिशत से अधिक हो गया।

शबरिमला में गंदगी के लिए दुकानों पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया

एजेंसी,पथनमथिट्टा ।

शबरिमला मंदिर और उसके आसपास की दुकानों में तीर्थयात्रा के मौजूदा सत्र के पहले सप्ताह



के दौरान नियमों के उल्लंघन के 29 मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त निरीक्षण दल ने इन मामलों में कुल एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। स्थानीय स्वशासन, राजस्व, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, विधिक माप विज्ञान और नागरिक आपूर्ति विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम रात के समय भी निरीक्षण कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, अब तक सामने आए ज्यादातर मामले होटलों और भोजनालयों में साफ–सफाई की कमी से जुड़े हैं। इनमें रसोइयों और भोजन परोसने वाले कर्मचारियों का दस्ताने और सिर ढकने वाले कवर नहीं पहनना तथा रसोई में गंदगी होना शामिल है।

इंडी गठबंधन का चैप्टर क्लोज है, सपा-कांग्रेस जनता पर बोझ है : पंकज चौधरी

लखनऊ,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि इंडी गठबंधन का चौप्टर क्लोज है, सपा–कांग्रेस जनता पर बोझ है। गठबंधन में दलों के बीच न प्रदेश के विकास को लेकर कोई दृष्टि है और न ही जनता के हितों को लेकर कोई साझा एजेंडा। उनकी पूरी राजनीति सत्ता की हिस्सेदारी, परिवारवाद और निजी स्वार्थों के इर्द–गिर्द सिमटकर रह गई है।श्री चौधरी ने कहा कि सपा और कांग्रेस की राजनीति में जनहित की जगह



लूट, विकास की जगह बंटवारा और जनसेवा की जगह परिवारवाद ने ले ली है। गठबंधन में सम्मानजनक स्थान की बात नहीं, राजनीतिक बंदरबांट की चिंता है। सरकार बनाने की रणनीति नहीं, अपने–अपने परिवार और निजी हितों को सुरक्षित रखने की कवायद है। एडजस्टमेंट और एकमोडेशन के नाम पर केवल राजनीतिक सेटलमेंट की कोशिशें हो रही हैं।उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन में शामिल दलों के बीच आपसी विश्वास और समन्वय का अभाव है। जो दल चुनाव से पहले ही सीटों, नेतृत्व और हिस्सेदारी को लेकर एकमत नहीं हो पा रहे, वे जनता के सामने साझा विकास का रोडमैप कैसे रखेंगे? किसान, मजदूर, युवा, मध्यम वर्ग, महिलाएं, व्यापारी और ईमानदार अधिकारी–कर्मचारी इनके राजनीतिक एजेंडे में कहीं दिखाई नहीं देते। इन वर्गों के नाम पर केवल चुनावी लॉलीपॉप की राजनीति की जा रही है।

बेमौसम बारिश से फसलों को नुकसान, सीएम सम्राट चौधरी ने किसानों को सहायता देने का दिया निर्देश

एजेंसी,पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य के कुछ हिस्सों में बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने और प्रभावित किसानों को आवश्यक सहायता देने के लिए कृषि एवं आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों विभागों को सभी जिलों से जमीनी स्तर पर रिपोर्ट जुटाने और बारिश से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने को कहा गया है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार किसानों की चिंताओं के प्रति संवेदनशील है और हर परिस्थिति में उनके साथ मजबूती से खड़ी है। राज्य के कई जिलों में हाल में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। बारिश के कारण रबी फसलों की बुआई की तैयारी प्रभावित हुई है। धान की कटाई पूरी होने के बाद रबी फसलों की बुआई शुरू होने वाली थी। कृषि विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि किसानों को चिंता है कि खेतों में खड़ी धान की फसल बारिश से खराब हो सकती है। उन्होंने बताया कि कुछ जिलों में अधिकांश स्थानों पर धान की कटाई अभी पूरी नहीं हुई है।

रांची जेल यौनाचार मामला, पीड़ित को जेल से मिल रही जान से मारने की धमकी, बाबूलाल ने सीबीआई जांच की मांग की

एजेंसी,रांची । झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में एक पूर्व विचाराधीन बंदी के साथ कथित सामूहिक यौनाचार के मामले में पीड़ित और उसके परिवार को जेल के भीतर से जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने झारखंड उच्च न्यायालय से मामले का स्वतरू संज्ञान लेने और इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का आग्रह किया है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया कि जेल के अंदर से फोन कर पीड़ित और उसके परिवार को धमकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 14 दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस पीड़ित का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज नहीं करा पाई है। उन्होंने पीड़ित की जान–माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उसका बयान जल्द दर्ज कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने जेल के भीतर प्रतिबंधित मोबाइल फोन के इस्तेमाल और बंदियों के साथ कथित अमानवीय व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संबोधित करते हुए कहा कि यह मामला केवल एक युवक तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य की कानून–व्यवस्था और जेल प्रशासन की जवाबदेही से जुड़ा है। मरांडी ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे वे जेल प्रशासन के अधिकारी–कर्मचारी हों या पुलिसकर्मी।

बीजेपी-एसएडी गठबंधन के बाद पंजाब आएंगे पीएम मोदी, 8 दिसंबर को करेंगे पहली बड़ी रैली

एजेंसी,नयी दिल्ली। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के बीच फिर से गठबंधन होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी प्रदेश पंजाब में आठ दिसंबर को राजग की पहली रैली को संबोधित करेंगे। दिल्ली भाजपा के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मिलकर मोगा में एक बड़ी रैली आयोजित करेंगे। यह रैली अकाली दल के वरिष्ठ नेता प्रकाश सिंह बादल के जन्मदिन पर होगी। सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री 8 दिसंबर को प्रकाश सिंह बादल के जन्मदिन के मौके पर मोगा पहुंचेंगे। सिरसा ने कहा कि भाजपा नेता ने यहां पार्टी मुख्यालय में कहा कि (गठबंधन की घोषणा के बाद) यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहली रैली होगी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी इस रैली को संबोधित करेंगे।

भाजपा–अकाली दल के बीच मजबूरी का गठबंधन : सचिन पायलट

एजेंसी,जयपुर। पंजाब कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने भाजपा–अकाली दल के गठबंधन को मजबूरी का गठबंधन करार दिया। सचिन पायलट ने कहा कि पंजाब के लोग इस गठबंधन को सिरे से नकारेंगे। मुख्य मुकाबला आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का होगा। आम आदमी पार्टी की सरकार बहुत जल्द गिरने वाली है। सचिन पायलट ने जयपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा,



6 साल पहले अकाली दल ने तीन कृषि कानूनों का विरोध करते हुए भाजपा का साथ छोड़ा था। मेरे ख्याल से आंदोलन में 700 लोगों की जान गई थी। उन्होंने सवाल किया, क्या भारतीय जनता पार्टी ने एमएसपी पर किसी को गारंटी का आश्वासन दिया है? क्या कोई विशेष पैकेज पंजाब को दिया है? सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार और ड्रग्स जैसे कई आरोप लगाए थे। क्या गठबंधन के समय वे सभी कारण खत्म हो गए हैं? उन्होंने कहा, गठबंधन एक मजबूरी का परिचय है। पंजाब में उनकी (भाजपा) की कोई राजनीतिक जमीन नहीं है।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त, ओवरलोड वाहनों पर रोजाना कार्रवाई के निर्देश



उन्नाव। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने, यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने, ओवरलोड वाहनों और अवैध परिवहन पर रोक लगाने के साथ शहर में अतिक्रमण हटाने को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में ओवरलोड और अवैध परिवहन के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाया जाए। प्रतिदिन अधिक से अधिक वाहनों को पकड़कर कार्रवाई की जाए और कार्रवाई की नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही सड़क पर चलने वाले वाहनों में रिफ्लेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीएम ने उन्नाव और गंगाघाट के अधिशासी अधिकारियों को एक्सप्रेसवे पर घूम रहे आवारा पशुओं को प्राथमिकता के आधार पर गौशालाओं में शिफ्ट कराने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि कोहरे के दौरान पशुओं से होने वाली दुर्घटनाओं पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा टेंपो, टैक्सी, ऑटो और ई–रिक्शा को निर्धारित स्टैंड पर ही खड़ा कराने तथा शहर में अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शहर में जमीन चिह्नित कर लेबर अड्डे विकसित करने को भी कहा। विद्यालयों में वाहन सुरक्षा समिति का गठन कर नियमित बैठक कराने और अनफिट वाहनों के संचालन पर रोक लगाने के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए। अनफिट स्कूल वाहनों की जांच कर उनकी मान्यता निरस्त करने के साथ चालकों के चरित्र और स्वास्थ्य का सत्यापन समय से कराने को कहा। वहीं, यूपीडा के अधिकारियों को गंगा और यमुना सीमा वाले क्षेत्रों में कोहरे की अधिक संभावना को देखते हुए एंटी फॉग गन लगाने के निर्देश दिए। डीएम ने ब्लैक स्पॉट और दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्यवाही, अवैध कट बंद कराने, अनाधिकृत पार्किंग हटाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमित जागरूकता अभियान चलाने के साथ दुर्घटना में घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमिताभ यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक सुनील दत्त, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, संभागीय परिवहन अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बस और फल लदी डीसीएम में भिड़ंत, बड़ा हादसा टला



बहराइच,संवाददाता।

नानपारा बाईपास पर गल्ला मंडी के पास बुधवार को सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज की बस और फल लदी डीसीएम की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद डीसीएम बस की ओर झुक गई, लेकिन पलटी नहीं। हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। टक्कर साइड से हुई थी। हादसे के समय बस में बच्चे सवार नहीं थे। नानपारा बाईपास स्थित गल्ला मंडी के पास बुधवार को सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज की स्कूली बस और फल लदी डीसीएम के बीच साइड से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद डीसीएम अनियंत्रित होकर स्कूली बस की ओर झुक गई और पलटने से बाल–बाल बची। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, नानपारा बाईपास पर गल्ला मंडी के निकट सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज की बस और फल लदी डीसीएम के बीच साइड से भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद डीसीएम संतुलन खोकर बस की ओर झुक गई।

स्थिति ऐसी बन गई कि डीसीएम स्कूली बस पर पलटने से बची, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना के समय स्कूली बस में बच्चे सवार नहीं थे। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मदद की और स्थानीय लोगों के सहयोग से डीसीएम को सीधा कराया गया। घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। डीसीएम के बस पर पलटने से बचने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

24 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर किसानों ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का किया घेराव

□ सिख परिवारों को सोमवार तक २४ घंटे बिजली देने का आश्वासन स्थायी समाधान न होने पर संयुक्त किसान मोर्चा करेगा लखनऊ कूच।



लोक हस्तक्षेप संवाददाता।

सीतापुर। नेरी पावर हाउस क्षेत्र के सिख परिवारों को 24 घंटे घरेलू बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने की मांग को लेकर सिख संगठन के जिला अध्यक्ष गुरपाल सिंह के नेतृत्व में किसानों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल सीतापुर के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई गई। प्रदर्शन के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा के संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू मौजूद रहे। सिख संगठन के मैगलगंज अध्यक्ष लखविंदर सिंह लख्खा के सहयोग से बड़ी संख्या में किसान और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी पहुंचे। भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष अरुण शुक्ला ने किसानों की मांग को अधिकारियों के समक्ष प्रमुखता से रखते हुए प्रभावित परिवारों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति देने की मांग की। मामले को लेकर अधीक्षण अभियंता ने किसानों को सोमवार तक समस्या का स्थायी समाधान निकालने का आश्वासन दिया। साथ ही तब तक प्रभावित सिख परिवारों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति जारी रखने की बात कही। अधिकारी के आश्वासन के बाद किसान संगठनों और उपस्थित लोगों के बीच सहमति बनी। इसके बाद फिलहाल आंदोलन स्थगित कर दिया गया। किसान नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सोमवार तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में सिख संगठन के सहयोग से लखनऊ कूच किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। इस मौके पर प्रदेश सचिव अमन सिंह जनैल सिंह हरप्रीत सिंह साहब सिंह अजैब सिंह अमरीक सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान एवं संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रसव पीड़ा के दौरान महिला की मौत

बांदा,संवाददाता। जिले के बिसंडा थाना क्षेत्र में प्रसव पीड़ा के दौरान एक महिला की मौत हो गई। पति का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज रेफर करने के बाद उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पति के मुताबिक, 23 नवंबर की देर शाम प्रसव पीड़ा होने पर वह पत्नी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसंडा ले गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज बांदा रेफर कर दिया। आरोप है कि मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 24 नवंबर को उसकी मौत हो गई। मृतका के पति प्रदीप कुशवाहा ने बताया कि उनकी शादी 2019 में हुई थी। वह सात बीघा खेती के सहारे परिवार का भरण–पोषण करते थे।

सूचना पर बिसंडा थाना पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की।

यातायात माह में पत्रकारों ने चलाया जागरूकता अभियान लगातार 11वें वर्ष किया हेलमेट वितरण

◆ पक्के पुल पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक हेलमेट पहनने की दिलाई अपील।



लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। यातायात माह नवंबर के अंतर्गत शहर के पक्के पुल पर 'जब बोलेगा हिंदुस्तान' की ओर से हेलमेट वितरण एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पत्रकारों ने दोपहिया वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट पहनकर ही वाहन चलाने की अपील की। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि हर वर्ष की परंपरा को जारी रखते हुए लगातार 11वें वर्ष हेलमेट वितरण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडी चौकी प्रभारी अस्मित भारती मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में एस–4 संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज पांडेय एवं भाजपा नेता रामकिशोर राठौर शामिल हुए। अतिथियों ने पत्रकारों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हेलमेट पहनना केवल यातायात नियमों का पालन करना नहीं है बल्कि यह स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी है। सड़क दुर्घटना के दौरान हेलमेट जीवन रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर पत्रकार राजा करण सनातन धर्म रक्षक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामकृष्ण आचार्य प्रदेश महासचिव सिद्ध गोपाल गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी मुन्नालाल जिला सचिव नीरज कुमार नगर अध्यक्ष शिवपूजन मिश्रा जिला सचिव राजकुमार मिश्रा ऋचा दीक्षित राहुल तिवारी पत्रकार अतुल पांडेय एवं राष्ट्रीय प्रभारी अनुभव शुक्ला सहित अनेक पत्रकार और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए कहा गया कि सड़क पर थोड़ी सी सावधानी बड़े हादसे से बचा सकती है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें ताकि स्वयं के साथ–साथ दूसरों का जीवन भी सुरक्षित रह सके।

उत्तर प्रदेश स्टेट रोल बॉल चैंपियनशिप में दमखम दिखाएगी गौतम बुद्ध नगर की टीम, 38 खिलाड़ियों का चयन



ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। फिरोजाबाद स्थित बवंबरी इंटरनेशनल स्कूल में 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 तक 17वीं मिनी एवं 18वीं सीनियर उत्तर प्रदेश स्टेट रोल बॉल चौंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश और रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन फिरोजाबाद की संयुक्त देखरेख में होगा। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमें हिस्सा लेंगी। गौतम बुद्ध नगर की टीम भी बालक एवं बालिका वर्ग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी।योजनाएं देखें गौतम बुद्ध नगर की टीम का चयन 22 और 23 अप्रैल 2026 को शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम, ग्रेटर नोएडा में आयोजित जिला रोल बॉल चौंपियनशिप में खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

स्नितिक प्रताप सिंह, रुद्र रौथाण, दिव्यांश पांडेय, सात्विक आर्य, डिवीत कपूर, आदित्य त्यागी, रोहिताक्ष सिंघल, रुद्रांश राज, अक्षज पराशर, धुर्वीत गोयल, परीक्षित ठाकुर और युवराज पांडेय। अमायरा बंसल, अनैशा चौहान, स्वस्तिक मित्तल, अद्विका गुप्ता, सोनम चौधरी, प्राणवी गोयल, अनया गुप्ता, भूमि चौहान, अम्बिका मनकोटिया, सानवी भाटी और अवांशी कौशिक। मिलिंद शर्मा, रोहन चौहान, आशीष, ऋषभ सारस्वत, श्रेयस सिंह, विक्की गौतम, ध्रुव गोयल, अनुज रावल, शिवम वर्मा और यश नगर। विधि बंसल, डिजा नरूला, दक्षा देवल, तनिष्का तंवर और आरोही चिरनिया

नित्या मेहरोत्रा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहराया

उरई/जालौन,संवाददाता। प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत के दम पर जालौन के कालपी नगर की बेटी नित्या मेहरोत्रा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। नेपाल के पोखरा स्थित रंगशाला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 21 नवंबर से 24 नवम्बर तक आयोजित इडो नेपाल यूथ योगा अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में नित्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि कालपी नगर और पूरे जनपद जालौन का गौरव बढ़ा है। नित्या मेहरोत्रा, अनुज मेहरोत्रा की पुत्री हैं। उन्होंने योग के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर गोल्ड मेडल हासिल कर अपनी प्रतिभा साबित की। उनकी इस सफलता की खबर जैसे ही कालपी पहुंची, परिवारजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और नगरवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने नित्या और उनके परिजनों को बधाई देते हुए इस उपलब्धि पर गर्व जताया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वन निवासियों का सम्मेलन 25 दिसंबर को

बहराइच,संवाददाता। 19 गांवों के वन निवासियों का सम्मेलन 25 दिसंबर को गिरजापुरी के मैदान में दोपहर करीब 12 बजे शुरू होगा। इसमें लगभग 1,000 लोग शामिल होंगे। सम्मेलन में वन अधिकार आंदोलन से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर वन निवासियों की बैठक हुई। इसमें तय किया गया कि कार्यकर्ता गांव–गांव जाकर लोगों को सम्मेलन की जानकारी देंगे और तैयारियां शुरू करेंगे। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता जंग हिंदुस्तानी समेत सैकड़ों वनवासी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वन बस्तियों में कई वर्षों से सम्मेलन होते रहे हैं। इस बार वन निवासियों की समस्याओं पर बात की जाएगी। वक्ताओं ने कहा कि वन निवासी पीढ़ियों से जंगल की जमीन पर रहकर खेती कर रहे हैं, लेकिन कई परिवारों को अब तक वन अधिकार पट्टा नहीं मिला है। उन्होंने बेदखली के डर और राशन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य व मनरेगा से जुड़ी समस्याओं का जिक्र किया। इन मुद्दों को सम्मेलन में उठाया जाएगा। बैठक में तय किया गया कि हर गांव से महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

टेंपो-बाइक की टक्कर में दो युवक घायल

बस्ती,संवाददाता। जिले के कप्तानगंज–पंडूल रोड पर रखिया गांव के पास टेंपो और मोटरसाइकिल की टक्कर में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। हादसा दोपहर करीब एक बजे हुआ। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, कप्तानगंज–पंडूल मार्ग पर रखिया गांव के पास टेंपो और मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार विवेक (20) और हर्षित (18) घायल हो गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज में चिकित्सकों ने दोनों युवकों का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद उनकी बेहतर चिकित्सा के लिए जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोगों में भी चर्चा का माहौल रहा।

भाजपा की बैठक में सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा

बस्ती,संवाददाता। जिले के कप्तानगंज ब्लॉक सभागार में भाजपा पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें 18 साल की उम्र पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष गौरवमणि त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि 18 साल की उम्र पूरी कर चुके सभी युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना चाहिए। युवाओं को लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। भाजपा जिला संयोजक आईटी विभाग रवि तिवारी ने कहा कि हर 18 साल के युवा को मतदाता बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता युवाओं को जागरूक करें और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में संगठन को मजबूत करने, नए युवाओं को पार्टी की गतिविधियों से जोड़ने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मंडल मंत्री दीपक पांडेय, मंडल महामंत्री नयन कुमार निषाद और शक्ति केंद्र संयोजक अवधेश कुमार मिश्रा सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिलेंडर ब्लास्ट के पीड़ितों से मिले कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के उरई स्थित शांतिनगर मोहल्ले में रविवार शाम हुए गैस सिलेंडर ब्लास्ट हादसे के बाद प्रदेश सरकार ने पीड़ित परिवारों की सुध ली है। बुधवार सुबह करीब 10 बजे कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सभासद माता प्रसाद के आवास पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर हादसे की जानकारी ली और घायलों के स्वास्थ्य व उपचार की स्थिति के बारे में पूछा। मंत्री ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि इस मुश्किल घड़ी में प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है। घायलों के बेहतर उपचार से लेकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार गंभीर है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन लगातार सरकार के संपर्क में है और घायलों के इलाज की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। किसी भी घायल को उपचार में परेशानी न हो, इसके लिए जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि उरई के शांतिनगर मोहल्ले में सभासद माता प्रसाद के आवास पर रविवार शाम करीब 5.50 बजे चाय बनाते समय गैस सिलेंडर में आग लग गई थी। इसके बाद हुए जोरदार विस्फोट से मकान की छत क्षतिग्रस्त हो गई और आसपास मौजूद कई लोग इसकी चपेट में आकर झुलस गए थे।

विवाहिता और मायके वालों पर जानलेवा हमला

बांदा,संवाददाता। जिले के मरका थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने पति, जेठ और जेठानी पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि हमले में उसके पिता और भाई को भी चोटें आईं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। अधांव गांव की रोशनी पुत्री प्रहलाद वर्मा ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 2016 में पन्नाह गांव के कमल वर्मा पुत्र शिवकुमार से हुई थी। उसकी दो बेटियां रागिनी (5) और शालिनी (3) हैं। रोशनी के मुताबिक, तबीयत खराब रहने पर ससुराल वाले उसका इलाज नहीं कराते थे, इसलिए वह मायके में रहकर इलाज कराती थी। आरोप है कि 24 नवंबर को पति ने फोन कर उसे ससुराल बुलाया और घर नहीं आने पर आत्महत्या करने की धमकी दी। इसके बाद वह पिता और भाई के साथ ससुराल पहुंची। वहां पति कमल वर्मा, जेठ राजबहादुर वर्मा और जेठानी गुजरिया ने गाली–गलौज की। विरोध करने पर तीनों ने लाठी–डंडों से रोशनी को पीटा। बीच–बचाव करने आए पिता प्रहलाद और भाई संजय को भी पीटकर घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

नवनिर्मित महोई पंप नहर परियोजना का मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लोकार्पण किया



उरई/जालौन,संवाददाता। बुंदेलखंड के किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में जलौन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। जिला मुख्यालय उरई से करीब 55 किलो मीटर दूर तहसील माधौगढ़ के ग्राम महोई में पहूज नदी के बायें तट पर नवनिर्मित महोई पंप नहर परियोजना का बुधवार दोपहर 2 बजे करीब प्रदेश सरकार के जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लोकार्पण किया। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अंतर्गत डाली नहर खंड झांसी द्वारा 22 करोड़ 32 लाख 53 हजार रुपये की लागत से निर्मित इस परियोजना से क्षेत्र के तीन गांवों की 425 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे 625 किसान सीधे लाभान्वित होंगे। लोकार्पण करने पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाना और उन्हें सिंचाई के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। खेती की समृद्धि का आधार पानी है। समय से सिंचाई सुविधा मिलने पर कृषि उत्पादन बढ़ेगा और किसान आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड में प्राकृतिक परिस्थितियों और वर्षा पर निर्भरता के चलते किसानों को खेती में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सरकार नहरों और पंप नहर परियोजनाओं के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि महोई पंप नहर परियोजना से महोई, महोबा और करमरा गांव के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

अब किसानों को फसलों की सिंचाई के लिए केवल बारिश के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। जल संसाधनों के बेहतर उपयोग से क्षेत्र में कृषि विकास को नई गति मिलेगी।परियोजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि पंप नहर की क्षमता 10 क्यूसेक है। इसमें दो पंप सेट लगाए गए हैं, जिनमें एक कार्यरत रहेगा, जबकि दूसरा स्टैंडबाई के रूप में रखा गया है। परियोजना के तहत आठ किलोमीटर लंबी नहर प्रणाली विकसित की गई है। इसकी कुल हेड 46 मीटर है। जल वितरण के लिए लगभग आठ किलोमीटर लंबी पाइपलाइन और 25 कुलाबों सहित आवश्यक तकनीकी संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इसके माध्यम से तीनों गांवों के विभिन्न क्षेत्रों तक पानी पहुंचाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि परियोजना के निर्माण से पहले प्रस्तावित 425 हेक्टेयर भूमि में से महज 56 हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई की सुविधा उपलब्ध थी। अब शेष भूमि को भी सिंचित करने का रास्ता साफ हो गया है। इससे न केवल 625 किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ने और किसानों की आय में सुधार की संभावनाएं भी मजबूत होंगी।

ट्राला ने कार को टक्कर मारी ट्राला चालक मौके से फरार

बस्ती,संवाददाता। छावनी थाना क्षेत्र के विक्रमजोत में सर्विस रोड के अवैध कट से हाईवे पर चढ़ रहे ट्राला ने कार को टक्कर मार दी। कार ट्राला के बगल में फंसकर कुछ दूर तक घिसटती चली गई। कार चालक अहमद अली बच गए। ट्राला चालक मौके से भाग गया। अहमद अली, मासूम अली के बेटे और बरईजोत अमोढ़ा के निवासी हैं। वे फैजाबाद के मुमताज नगर से अपने घर लौट रहे थे। विक्रमजोत में अवधेश सिंह पम्प के सामने फ्लाईओवर से आगे बढ़ते समय राम किशोर मोदनवाल की दुकान के सामने यह टक्कर हुई। ट्राला सर्विस रोड के अवैध कट से राष्ट्रीय राजमार्ग पर चढ़ रहा था। उसने अहमद अली की कार नंबर एमएच 43 एएल 0449 को टक्कर मारी। टक्कर के बाद कार ट्राला के बगल में फंस गई। ट्राला चालक कार को धक्का देते हुए आगे बढ़ा और फिर भाग गया। सूचना मिलने पर विक्रमजोत चौकी के सिपाही मौके पर पहुंचे और कार को सड़क से हटवाया। इसके बाद 1033 पर फोन कर राष्ट्रीय राजमार्ग की पेट्रोलिंग टीम को सूचना दी गई। टीम हाइड्रा की मदद से कार को छावनी थाने ले गई। मौके पर मौजूद लोग ट्राला की पहचान नहीं कर सके।



महिला का शव स्टोर रूम में फंदे पर लटका मिला

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन जिले के कोंच कोतवाली क्षेत्र के बसोव गांव में बुधवार सुबह करीब 11 बजे 40 वर्षीय अर्चना राजपूत का शव घर के स्टोर रूम में फंदे पर लटका मिला। परिवार के लोग खेत से लौटे तो उन्होंने शव देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। परिवार के अन्य सदस्य खेत पर गए हुए थे। अर्चना घर के स्टोर रूम में थीं।

भाजपा की सामाजिक संपर्क बैठक से संवाद, समरसता और संगठन पर दिया जोर

समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना भाजपा का संकल्प : ब्रजेश पाठक

लोक हस्तक्षेप समाचार

'लखनऊ।' भारतीय जनता पार्टी द्वारा 25 एवं 26 नवंबर को दो दिवसीय सामाजिक संपर्क बैठक का आयोजन राजभवन कॉलोनी स्थित उपमुख्यमंत्री आवास पर किया गया। 'अनेक समाज, एक परिवार' की भावना के साथ आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक एवं भाजपा सामाजिक संपर्क अभियान संयोजक डॉ. नीरज सिंह ने विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों से संवाद किया। बैठक में धानुक, सोनकर, स्वर्णकार, बहेलिया, बढ़ई, विश्वकर्मा एवं भुर्जी समाज के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।





उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उपस्थित सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा उत्तर प्रदेश में पिछले 10 वर्षों में जो बदलाव आया है, उसे हम सभी ने अपनी आंखों से देखा है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश को गुंडों और अपराधियों का प्रदेश कहा जाता था। समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान कानून–व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि बहन–बेटियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। परिवार के लोग अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते थे। लेकिन आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। आज अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो रही है। जब भी गुंडे और माफिया सक्रिय होते हैं, सबसे अधिक अत्याचार गरीबों और कमजोर वर्गों पर होता है। भाजपा सरकार ने ऐसे तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई कर आम जनता में सुरक्षा का विश्वास पैदा किया है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। पहले बिजली के लिए लोगों को दिन–रात इंतजार करना पड़ता था। गांवों में इनवर्टर और जनरेटर पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बिजली की बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का काम हुआ है। सड़कों का व्यापक विस्तार हुआ है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार किया गया है और नकल माफियाओं पर अंकुश लगाया गया है। पहले गरीब परिवारों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ होता था, लेकिन आज पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से युवाओं को रोजगार और आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। आज हमारी प्राथमिकता है कि प्रत्येक नागरिक को बेहतर कानून–व्यवस्था, अच्छी सड़कें, स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त बिजली, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकलकर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने विश्वकर्मा समाज को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृजन और निर्माण के प्रतीक हैं। यह अत्यंत गौरव का विषय है कि भगवान विश्वकर्मा की जयंती के दिन ही देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी मनाया जाता है। विश्वकर्मा समाज देश और प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला समाज है। समाज के लोग अपने हुनर, परिश्रम और कौशल से राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। घर–परिवार से लेकर समाज और देश को जोड़ने में इस समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। भगवान विश्वकर्मा के मानस पुत्रों को मैं नमन और अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की हैं। गरीबों को पक्के मकान, घर–घर नल से स्वच्छ जल और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पांच लाख रुपये तक के निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का संकल्प है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। अंत में उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि अकेले चलने से मंजिल हासिल नहीं होती, बल्कि संगठित होकर चलने से बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किया जा सकता है। हमें अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य को एक दिशा में लगाना होगा। जब तक कमल प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार विजय प्राप्त नहीं करता, तब तक हमें पूरी ताकत और एकजुटता के साथ कार्य करना है। हम सभी संकल्प लेकर जाएं कि समाज की एकता, सम्मान और विकास के लिए मिलकर काम करेंगे।

बैठक संयोजक डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित की हम सब की विचारधारा और आधार है, सामाजिक संपर्क बैठक समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद, समन्वय और आत्मीयता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजनों से समाज के लोगों के विचारों, अपेक्षाओं और सुझावों को समझने का अवसर मिलता है। संगठन का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़कर राष्ट्रहित एवं सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करना है।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय, सेवा, सुशासन एवं सामाजिक समरसता पर आधारित है। पार्टी का प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठन से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में उसकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सामाजिक संपर्क बैठकों के माध्यम से भाजपा की विचारधारा, नीतियों एवं केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

बैठक में मंच पर पूर्व सांसद विनोद सोनकर, राष्ट्रीय स्वर्णकार एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्य कुमार सोनी, सुशील धानुक, राष्ट्रीय स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्योति सोनी, खटीक समाज महिला मोर्चा की प्रदेश ,अध्यक्ष आकांक्षा सोनकर, युवा क्रांति मंच स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय महासचिव विजय सोनी,भुर्जी समाज से सदस्य विधान परिषद गोपाल अंजान,राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय भुर्जी भोजवाल महासभा संतोष गुप्ता , बहेलिया समाज के प्रधान विशंभर जी,पूर्व ब्लाक प्रमुख श्रीमती कमला,बाबा रामदास बहेलिया, विश्वकर्मा समाज से पूर्व मंत्री कृष्णमुरारी, विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र विश्वकर्मा, बढ़ई समाज से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विपिन शर्मा, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गोण्डा में 69 पदों पर 450 की भर्ती के वायरल पोस्ट की जांच के आदेश

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जताई नाराजगी एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट मांगी

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। गोण्डा सीएमओ कार्यालय के अधीन खाली 69 पदों के सापेक्ष 450 पदों पर अभ्यर्थियों की भर्ती किए जाने संबंधी सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट को लेकर शासन ने जांच के आदेश दिए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रकरण पर गंभीर नाराजगी जताई है। उन्होंने मामले की जांच कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक को कमेटी गठित कर पूरे मामले की जांच कराने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मामला काफी गंभीर व संवेदनशील है। इस तरह की घटना से सरकार और विभाग की छवि धूमिल होती है। लिहाजा मामले की जांच एक सप्ताह के भीतर पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। वायरल पोस्ट में किए गए दावे की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। जांच में भर्ती प्रक्रिया, स्वीकृत पदों और नियुक्तियों से संबंधित तथ्यों का परीक्षण कर तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग की छवि धूमिल करने वाले को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। रिपोर्ट में दोषी मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में अब तक 3.80 लाख कुन्तल चीनी का उत्पादन

लोखा हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व एवं गन्ना किसानों के व्यापक हितों के दृष्टिगत मंत्री, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास लक्ष्मी नारायण चौधरी व अपर मुख्य सचिव के मार्ग दर्शन में गन्ना विकास विभाग निरंतर किसानों के हित संर्वधन के लिये प्रयत्नशील है। आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उ.प्र. ने बताया कि वर्तमान पेराई सत्र में अब तक प्रदेश की कुल 96 चीनी मिलों ने पेराई कार्य सफलतापूर्वक प्रारंभ कर दिया है, जिनमें 01 निगम क्षेत्र की, 17 सहकारी क्षेत्र की तथा 78 निजी क्षेत्र की चीनी मिलें शामिल हैं। इन संचालित चीनी मिलों द्वारा अब तक कुल 707 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई की जा चुकी है, जिससे कुल 63.80 लाख कुन्तल चीनी का उत्पादन हुआ है।

उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों की आर्थिक समृद्धि, सम्मान और उनकी उपज का उचित एवं समय पर मूल्य दिलाने के लिये राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है। तद्क्रम में प्रदेश की चीनी मिलों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गन्ना मूल्य भुगतान करने के निर्देश दिये गये हैं। विभागीय निगरानी और सख्त निर्देशों के फलस्वरूप वर्तमान पेराई सत्र में अब तक के कुल देय गन्ना मूल्य 552.23 करोड़ रुपये के सापेक्ष चीनी मिलों द्वारा शत–प्रतिशत से भी अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किया जा चुका है। पेराई सत्र की शुरुआत से ही चीनी मिलों द्वारा त्वरित भुगतान करने से किसानों को बिचौलियों और विलंब की समस्या से मुक्त होकर गन्ना आपूर्ति करने में आसानी होगी। समय पर भुगतान मिलने से प्रदेश के लाखों गन्ना किसानों में भारी हर्ष और उत्साह का माहौल है, जिससे न केवल उनकी पारिवारिक और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है, बल्कि उन्हें खाद, बीज और आगामी फसलों की बेहतर तैयारियों के लिए भी सीधा आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है।

स्मार्ट मीटर के फर्मवेयर और सॉफ्टवेयर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी का दावा

♦ उच्च तकनीकी जांच जरूरी : अवधेश कुमार वर्मा

लोग हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 3 लाख 54 हजार 523 स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, जिनमें से 33,697 स्मार्ट मीटर नॉन–कम्युनिकेशन की श्रेणी में बताए जा रहे हैं। कल यूपीपीसीएल विजिलेंस, बिग एवं एमवीवीएनएल की ओर से जारी प्रेस नोट में स्मार्ट मीटर के सॉफ्टवेयर एवं फर्मवेयर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी किए जाने का दावा किया गया। इस पूरे मामले में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने गंभीर सवाल उठाते हुए मामले की उच्च तकनीकी जांच कराने की मांग की।

अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटर के फर्मवेयर को क्रैक करना कोई सामान्य अथवा आसान तकनीकी प्रक्रिया नहीं है। इसमें कई स्तरों के अत्यंत गोपनीय पासवर्ड एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल होते हैं, जिनकी जानकारी सामान्यतः मीटर निर्माता कंपनियों के उच्च तकनीकी अधिकारियों एवं अधिकृत विशेषज्ञों तक सीमित रहती है। ऐसे में यदि फर्मवेयर में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी की गई है, तो यह जांच का गंभीर विषय है कि आखिर सुरक्षा स्तरों को पार करने में किसकी भूमिका रही और कहीं इसमें किसी स्तर पर मिलीभगत तो नहीं हुई।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने और गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि परिषद स्मार्ट मीटरों में बड़े पैमाने पर चीनी कंपोनेंट लगाए जाने तथा उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा की स्वतंत्र जांच कराने की मांग लगातार उठाती रही है, लेकिन आज तक इस महत्वपूर्ण विषय पर कोई व्यापक जांच नहीं कराई गई। स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की जांच एमवीवीएनएल की प्रयोगशाला में कराई गई, जबकि उस प्रयोगशाला को स्मार्ट मीटरों की जांच के लिए मान्यता प्राप्त होने को लेकर भी सवाल हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटरों की गुणवत्ता, तकनीकी सुरक्षा एवं परीक्षण प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।उन्होंने कहा कि जिस मीटर की तस्वीरें जारी की गई हैं, उनमें मीटर के पीछे के हिस्से में कई छेद किए जाने जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। यदि मीटर के कवर अथवा बॉडी में छेड़छाड़ कर बिजली चोरी का प्रयास किया गया, तो ऐसे मामलों में मीटर का टैंपर फीचर, एमडीएम (मीटर डेटा मैनेजमेंट) तथा एचईएस (हेड एंड सिस्टम) में स्पष्ट अलर्ट एवं रिकॉर्ड दर्ज होना चाहिए। यह भी तकनीकी जांच का विषय है कि संबंधित मीटरों में ऐसे टैंपर अलर्ट दर्ज हुए या नहीं और यदि हुए तो उन पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए, फर्मवेयर सुरक्षा, पासवर्ड प्रोटोकॉल, मीटर टैंपर लॉग, एमडीएम एवं एचईएस रिकॉर्ड का परीक्षण कराया जाए, ताकि वास्तविक दोषियों की पहचान हो सके और भविष्य में स्मार्ट मीटर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके।

खागा डायग्नोस्टिक सेंटर प्रकरण में डिप्टी सीएम सख्त, अपर निदेशक करेंगे जांच

- सेंटर में मृत सोनोलजिस्ट के हस्ताक्षर से अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट जारी होने का आरोप
- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने महानिदेशक को मामले की जांच के आदेश दिए

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। फतेहपुर के खागा डायग्नोस्टिक सेंटर में पीसीपीएनडीटी अधिनियम के उल्लंघन और नोटिस के बावजूद कार्रवाई न होने के मामले में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने फतेहपुर सीएमओ डॉ. यूबी सिंह की कार्यशैली पर उठे सवालों को गंभीरता से लेते हुए अपर निदेशक स्तर से जांच कराने और एक सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में उन्होंने स्वास्थ्य महानिदेशक को पत्र लिखा है।

22 नवंबर 2026 को खागा डायग्नोस्टिक सेंटर में मरीज पारूल का अल्ट्रासाउंड हुआ। इसके बाद मामले की शिकायत हुई। जिसमें दावा किया गया है कि रिपोर्ट पर जिस सोनोलॉजिस्ट के हस्ताक्षर हैं, उनकी कोविड काल में मृत्यु हो चुकी है। आरोप हैं कि ऐसे कई सेंटर सीएमओ की कथित छत्रछाया में संचालित हो रहे हैं। कई अन्य मामलों में भी सीएमओ की भूमिका और कार्यशैली संदिग्ध होने की शिकायत की गई है।

सीएमओ कार्यालय ने 12 नवंबर को खागा डायग्नोस्टिक सेंटर को नोटिस जारी किया था। निरीक्षण में अनुबंधित चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार गैरहाजिर मिले थे। तकनीकी सहायक द्वारा अल्ट्रासाउंड जांच किए जाने का आरोप दर्ज किया गया था। पार्किंग की व्यवस्था भी नहीं मिली थी। इसे पीसीपीएनडीटी अधिनियम का प्रथम दृष्टया उल्लंघन माना गया था। संचालक सरवर रजी खान को 13 नवंबर को मूल अभिलेखों के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नोटिस के बाद भी केंद्र का संचालन जारी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य महानिदेशक को पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए हैं। जांच में रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले सोनोलॉजिस्ट की स्थिति, केंद्र के पंजीकरण और नोटिस के बाद की कार्रवाई की पड़ताल की जाएगी। सीएमओ की भूमिका की भी जांच होगी। आरोपों की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

तीसरे वर्ल्ड मेयर्स फोरम में महापौर ने साझा की शहर की उपलब्धियां

संवाददाता

लखनऊ। मुंबई के होटल फेयरमांट स्थित इन्फिनिटी बॉलरूम में बुधवार को आयोजित दो दिवसीय 'तीसरे वर्ल्ड मेयर्स फोरम' के अंतर्गत '7वें एशियन सिटीज समिट–2026' के पहले दिन लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी ने सहभागिता की। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश–विदेश से आए महापौरों, शहरी विकास विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने आधुनिक नगर प्रबंधन, सतत शहरी विकास, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यावरण संरक्षण और कूड़ा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार साझा किए।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू , महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, हिमाचल प्रदेश सरकार के लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह, पश्चिम बंगाल सरकार के शहरी विकास एवं नगर मामले राज्य मंत्री उमेश राय तथा मुंबई की महापौर श्रीमती ऋतु तावड़े की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान के अध्यक्ष रंजीत एस. चव्हाण, महानिदेशक डॉ. जयराज फाटक एवं उप महानिदेशक रवि रंजन गुरु सहित देश–विदेश के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल जी ने नगर निगम द्वारा स्वच्छता, कूड़ा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। महापौर ने कहा कि लखनऊ नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर, हरित और बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण की पहचान एवं नियंत्रण तथा इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से यातायात प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाने में भी एआई तकनीक की सहायता ली जा रही है। महापौर ने बताया कि लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर होने की समस्या को कम करने में सहायता मिली है। नागरिकों की सुविधा के लिए लखनऊ वन ऐप और टोल फ्री नंबर के माध्यम से कूड़ा उठाने से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने की व्यवस्था भी की गई है। शिकायतों की नियमित निगरानी कर उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाता है। महापौर ने पुराने कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि धैला डंप साइट पर वर्षों से जमा 8 लाख टन से अधिक पुराने कूड़े का निस्तारण किया जा चुका है। इस कार्य से लगभग 65 एकड़ भूमि खाली कराई गई है। इसके साथ ही शिवरी स्थित प्लांट पर भी वर्षों से जमा पुराने कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया गया है। नगर निगम का प्रयास है कि शहर में कहीं भी पुराने कूड़े के बड़े ढेर न रहें और खाली कराई गई भूमि का बेहतर उपयोग किया जा सके। महापौर ने बताया कि शहर में प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े के निस्तारण के लिए 2400 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के प्लांट संचालित किए जा रहे हैं। इनमें प्रतिदिन लगभग 1200 मीट्रिक टन गीले कूड़े की प्रोसेसिंग की जा रही है, जिससे करीब 150 मीट्रिक टन जैविक खाद तैयार की जाती है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कूड़े को केवल निस्तारित करने के बजाय उसे उपयोगी संसाधनों में बदलने की दिशा में भी कार्य कर रहा है। इसी क्रम में कूड़े से बिजली उत्पादन तथा बायो–सीएनजी एवं बायो–सीबीजी तैयार करने की परियोजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। महापौर ने सम्मेलन में लखनऊ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का उल्लेख करते हुए बताया कि 5 फरवरी 2026 को बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा गठित कांजूर मॉनिटरिंग कमेटी के 13 सदस्यीय दल ने लखनऊ का दौरा किया था। इस दल में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारी, आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर, सीएसआईआर के वैज्ञानिक, महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग के अधिकारी तथा अन्य विशेषज्ञ शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से लखनऊ नगर निगम द्वारा वर्षों से जमा पुराने कूड़े के वैज्ञानिक निस्तारण की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। महापौर ने कहा कि यह लखनऊ के लिए गर्व की बात है कि यहां कूड़ा प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्यों को समझने के लिए देश–विदेश से विशेषज्ञ और प्रतिनिधिमंडल आ रहे हैं। महापौर ने निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी देते हुए बताया कि भवनों के निर्माण और तोड़ने से निकलने वाले मलबे के संग्रहण के लिए शहर के विभिन्न जोनों में 8 संग्रह केंद्र बनाए गए हैं। हरिकंश गढ़ी में 300 मीट्रिक टन क्षमता का प्लांट स्थापित किया गया है, जहां निर्माण मलबे से ईंट, पेवर ब्लॉक, गमले और बाउंड्री वॉल जैसे उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। महापौर ने बताया कि नगर निगम द्वारा अनुपयोगी सामान को दोबारा उपयोग में लाने की दिशा में भी विशेष प्रयास किए गए हैं। इसी सोच के अंतर्गत यूपी दर्शन पार्क विकसित किया गया है, जहां अनुपयोगी सामग्री से देश के 16 राज्यों के प्रसिद्ध स्मारकों की प्रतिकृतियां तैयार की गई हैं। हैप्पीनेस पार्क में भी बेकार सामग्री का रचनात्मक उपयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त हार्मनी पार्क में पुराने औद्योगिक सामान से 80 अनोखे संगीत वाद्ययंत्र तैयार किए गए हैं। ये पार्क कूड़े के पुनः उपयोग के साथ–साथ शहर के सौंदर्यीकरण का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। महापौर ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम द्वारा शहर की प्रमुख सड़कों और खाली स्थानों पर लगभग 3.5 लाख पौधे लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और व्यायाम के लिए सार्वजनिक स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 250 से अधिक ओपन एयर जिम स्थापित किए गए हैं।



बीजेपी आज मनायेगी संविधान दिवस, शामिल होंगे ज्योतिरादित्य सिंधिया

लखनऊ,संवाददाता। बीजेपी 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस मनाएगी। लखनऊ के भागीदारी भवन में गुरूवार को संविधान गौरव दिवस के तहत जनसंवाद कार्यक्रम होगा। भाजपा प्रदेश के जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान का स्मरण करते हुए कृतज्ञ नमन करेगी। प्रदेश महामंत्री एवं अभियान के प्रभारी दिलीप पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा 2015 से प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को संविधान गौरव दिवस मना रही है। संविधान के महत्व, उसके मूल्यों एवं संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों पर चर्चा करते हुए उनके अतुल्नीय योगदान को जन–जन तक पहुंचाने का काम कर रही है। बाबा साहेब के विचारों तथा संविधान के मूल्यों को व्यापक स्तर पर जन–जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा 26 नवम्बर को भागीदारी भवन में प्रबुद्ध जनसंवाद करेगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। प्रबुद्ध जनसंवाद के साथ ही संविधान प्रदर्शनी, संविधान पर आधारित झांकियों के माध्यम से बाबा साहेब के योगदान को जनसामान्य के बीच लेकर पहुंचेगी। जिला स्तर पर बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठन होगा।

लखनऊ में कांग्रेस के संविधान रक्षा मार्च को अनुमति नही

लखनऊ,संवाददाता। कांग्रेस के संविधान दिवस पर कल 26 नवम्बर को संविधान रक्षा मार्च को अनुमति न नहीं मिली है। जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति न मिलने के कारण मार्च को रद कर दिया गया है।पूर्व राज्यसभा सदस्य पीएल पुनिया ने बताया 26 नवंबर को संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन होगा। पार्टी संविधान रक्षा सम्मेलन मनाएगी।कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मुख्य अतिथि होंगे। पार्टी में माल्यार्पण के बाद मार्च को हजरतगंज में आंबेडकर प्रतिमा तक जाना था, लेकिन जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। हम शांतिपूर्ण मार्च की बात कहे थे और लिखित दिया था फिर भी अनुमति नहीं मिली है। प्रशासन ने संवेदनशील एरिया कहते हुए मना किया है। अब कार्यक्रम पार्टी मुख्यालय में होगा।

संपादकीय...

भाजपा-अकाली पुनर्मिलन

पिछले कुछ महीनों से पंजाब व दिल्ली में भाजपा व अकाली दल की तरफ से जिस तरह की बयानबाजियां और राजनीतिक हलचल सामने आ रही थी, उसके निहितार्थ स्पष्ट ही थे। जो संकेत दे रहे थे कि पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी का फिर एक बार साथ आना लगभग तय ही है। वर्ष २०२७ के आसन्न पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इन दोनों दलों का साथ आने का फैसला बताता है कि यह गठबंधन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को चुनौती देने के ठोस प्रयास कर कर रहा है। इस गठबंधन की घोषणा गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के मौके पर की गई है, जिसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक, दोनों ही तरह के महत्व हैं। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल ने पहली बार तीन दशक पहले भी हाथ मिलाया था। उस समय इस गठबंधन को आतंकवाद से उबरते पंजाब में हिंदू-सिख एकता के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। कालांतर दोनों दलों के रिश्तों में खटास उस समय आई, जब केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन विवादित कानूनों के विरोध ा में व्यापक जनाक्रोश दिखा। किसानों के आक्रोश के चलते अकाली दल को अपना जनाधार खिसकता नजर आया था। कालांतर वर्ष २०२० में अकाली दल ने भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। बहरहाल, इस गठबंधन की घोषणा के बाद जिस तरह के बयान गृहमंत्री अमित शाह की तरफ से आए हैं, वह दर्शाता है कि पिछले एक दशक में शिरोमणि अकाली दल के सिमटते जनाध ाार के बावजूद इस क्षेत्रीय दल को पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है। अमित शाह ने गठबंधन की घोषणा के बाद कहा कि अकाली दल पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में रहेगा। साथ ही यदि गठबंधन की जीत हुई तो मुख्यमंत्री पद अकाली दल को ही मिलेगा। वैसे यह एक हकीकत है कि इस गठबंधन के बावजूद पंजाब के राजनीतिक परिश्य को पूरी तरह बदल देना आसान भी नहीं होगा। वैसे आज भी शिरोमणि अकाली दल पर साल २०२५ की बेअदबी की घटनाओं और उसके बाद हुए राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शनों का बोझ है। जिसने उस समय अकाली सरकार को हिलाकर रख दिया था। वहीं, केंद्र में सत्ताधारी भाजपा के खिलाफ तीनंषि कानूनों को लेकर उपजे गुस्से को पूरी तरह समाप्त नहीं समझ लेना चाहिए। तब किसान काफी नाराज हुए थे और उन्होंने दिल्ली की सीमाओं पर पूरे एक साल तक आंदोलन किया था। अंततरू नवंबर २०२१ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा की थी। लेकिन इसके बावजूद आगामी चुनावों में भाजपा को कोई सकारात्मक प्रतिसाद पंजाब की जनता की तरफ से नहीं मिला था। तीन माह बाद, २०२२ के विधानसभा चुनावों में भाजपा को सिर्फ दो सीटों में ही संतोष करना पड़ा था। कमोबेश शिअद की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं रही थी। उसे तब सिर्फ तीन ही सीटें मिली थीं। निस्संदेह, यह अकाली दल का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। इसके विपरीत आम आदमी पार्टी ने तब रिकर्ड जीत दर्ज की थी। बहरहाल, भाजपा और शिअद के इस पुनर्मिलन से दो मुख्य सवाल खड़े होते हैं। क्या इस गठबंधन के पीछे पंजाब के उन्नयन को लेकर कोई साझा विजन है? या ये फिर महज चुनावी गणित ही है? सवाल यह भी है कि क्या यह गठबंधन दोनों दलों के लिये लाभदायक साबित होगा? निस्संदेह, आज पंजाब गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसमें आर्थिक दबाव भी एक बड़ा कारण है। राज्य गंभीर बेरोजगारी की चपेट में है।

ममता मंजरी - 36

चश्मा

बोर्ड पर जब देखे चिंटू,
उसका सिर चकराये।
आँखें भींचे जोर से,
लिखा समझ न आये।
जाँच कराई डॉक्टर से,
डॉक्टर ने बतलाया,
कम रोशनी आँखो की,
चिंटू को समझाया।
फल-सब्जियाँ, दूध-दही,
जो बच्चे नहीं खाते हैं।
टीवी और मोबाइल संग,
जो ज्यादा समय बिताते हैं।
आँखें हो जाती कमजोर,
ठीक से दिख नहीं पाता।
आँखों पर उन बच्चों के,
मोटा चश्मा चढ़ जाता।
छोड़ मोबाइल खेलों खेल
फल सब्जियां खाओ।
चिंटूजी सुंदर आँखो की
खूब रोशनी पाओ।

सौरव दास को रोककर सरकार ने की गलती

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अपने विरोधियों और आलोचकों से कितना घबराती है, इसके प्रमाण बार–बार सामने आ रहे हैं। ताजा उदाहरण सौरव दास का है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास को ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ ने लेक्चर देने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्हें एयरपोर्ट पर रोक दिया गया। सोमवार देर रात की इस घटना पर दिल्ली एयरपोर्ट से ही एक वीडियो बनाकर सौरव दास ने कहा कि श्मैं दिल्ली एयरपोर्ट पर हूं। मेरी फ्लाइट दिल्ली से लंदन की एक बजे रात को थी। मैं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी जा रहा था, वहां यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन ने मुझे बुलाया था। जैसे ही मैं इमिग्रेशन चेक पर गया तब मुझे पता चला कि मेरा पासपोर्ट, फ्लैग कर दिया गया है। कायर सरकार ने देश से बाहर जाने से रोक दिया।श बता दें कि पासपोर्ट फ्ल्लैग करने का आमतौर पर मतलब है कि इमिग्रेशन या सुरक्षा एजेंसियों के डेटाबेस में किसी पासपोर्ट के साथ एक खास अलर्ट या निशान जोड़ देना। अगर किसी का पासपोर्ट फ्ल्लैग किया गया हो तो इमिग्रेशन के वक्ख्त पासपोर्ट की स्कैनिंग में यह दिख जाता है, जिसका मतलब होता है कि उस शख्स की अतिरिक्त जांच या उसके संबंध में कोई कार्रवाई करने की जरूरत है। मतलब सौरव दास के पासपोर्ट में पहले ही कोई निशान गृहमंत्रालय की तरफ से जोड़ दिया गया, और इमिग्रेशन पर पहुंच कर उन्हें इसकी जानकारी हुई। अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान देश में प्रवेश करने या बाहर जाने पर पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेजों की आधिकारिक जांच इमिग्रेशन या आव्रजन काउंटर पर की जाती है। आमतौर पर अपराधियों या संदिग्ध ा व्यक्तियों के लिए इस तरह के पासपोर्ट फ्लैग करने का काम किया जाता है, ताकि कानूनी शिकंजा कसा जा सके और वह व्यक्ति विदेश न भाग पाए। लेकिन सौरव दास के साथ ऐसा सलूक क्यों हुआ। उनकी किस गतिविधि के कारण उनके पासपोर्ट पर अलर्ट जारी किया गया, इसकी जानकारी सरकार की तरफ से नहीं मिली है। अलबत्ता सौरव दास ने यह सवाल जरूर उठाया है कि श्सरकार को क्या डर है कि एक युवा पढ़े–लिखे लोगों के बीच जा रहा है। काश मैं नीरव मोदी और विजय माल्या होता, मैं करोड़ों रुपये बैंकों से लूट लेता। सौरव दास ने यह भी कहा कि ये सरकार कॉकरोच मूवमेंट से डरती है। ये सब करके क्या होगा। लगता है कि डर जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं होगा। नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों का नाम लेकर सौरव दास ने मोदी



सरकार पर बड़ा हमला बोला है, क्योंकि इन दोनों के समेत कुछ और लोग देश के बैंकों से पैसे चोरी कर के विदेश चले गए और सरकार इन्हें नहीं रोक पाई। जिस तरह सौरव दास का पासपोर्ट फ्लैग किया गया, वैसा ही काम ऐसे लुटेरों के लिए क्यों नहीं किया गया। भले नीरव मोदी और विजय माल्या को भागे हुए कई साल बीत चुके हैं, लेकिन उनका इस तरह जिक्र अब भी आना यह जाहिर कर रहा है कि इस देश का युवा कुछ भूला नहीं है। सीजेपी के संस्थापक अभिजित दिपके ने भी मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए लिखा है कि क्या सौरव के पासपोर्ट में कोई गड़बड़ी है? उनका पासपोर्ट तो 2019 में इसी सरकार ने जारी किया था। सात साल तक उन्हें कोई गड़बड़ी नहीं दिखी, लेकिन सीजेपी के बनने और सौरव के उसका एक प्रमुख चेहरा बन जाने के बाद अचानक उन्हें इसमें गड़बड़ी कैसे दिख गई? वहीं इस संबंध में सीजेपी की कानूनी सलाहकार रत्ना सिंह ने एक्स पर लिखा कि– सौरव और मुझे दोनों को ऑक्सफोर्ड यूनियन ने आमंत्रित किया था। कुछ दिन पहले मेरा वीजा रिजेक्ट कर दिया गया था। इसे फिर भी स्वीकार किया जा सकता था, क्योंकि इसमें सरकार का कोई सीधे तौर पर हस्तक्षेप नजर नहीं आ रहा था। हालांकि, अब जो हुआ है, वह बिल्कुल यकीन करने लायक नहीं है। यह शर्मनाक है कि इस देश के युवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। सीजेपी से जुड़े लोगों के ये बयान जाहिर कर रहे हैं कि मोदी सरकार को अब कई और कठिन सवालों का सामना करना पड़ेगा। इसी महीने हैदराबाद में भारत समिट के भी कुछ वक्ताओं को मोदी सरकार ने इसी तरह वीजा रद्द करके देश आने से रोक दिया था। इनमें नॉर्वे की पत्रकार हेले लिंग भी शामिल थीं। हेले लिंग ने इसके बाद सोशल मीडिया पर मोदी सरकार की कड़ी आलोचना की थी। अगर हेले लिंग हैदराबाद आकर भाषण देकर चली जातीं तो ज्यादा लोगों को इसका पता भी नहीं चलता। लेकिन उन्हें रोककर सरकार ने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों का हिस्सा बना दिया था। ठीक यही काम अब सौरव दास के मामले में हुआ है। अब अगर वो देश में बैठकर इंटरनेट के जरिए ऑक्सफोर्ड के युवाओं को संबोधित करेंगे तो उसका व्यापक असर देखने मिल सकता है। सरकार याद करे कि कॉकरोच जनता पार्टी को अभिजित दिपके ने अमेरिका में बैठे–बैठे बनाया था, क्योंकि उन्हें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी से ठेस पहुंची थी। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक आंदोलन शुरु किया था और देखते ही देखते यह देश के कोने–कोने में पहुंच गया। दिल्ली के जंतर–मंतर पर सीजेपी के एक आह्वान पर पेपर लीक के खिलाफ युवा जुट गए थे। फिर कुछ छात्र संगठनों ने भी पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन को आगे बढ़ाया। धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मोदी सरकार को करवाना पड़ा। फिर चुनाव चोरी के खिलाफ सीजेपी ने मुहिम आगे बढ़ाई। जंतर–मंतर को सरकार ने प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाया तो सौरव दास और आशुतोष रांका वहां तिरंगा लेकर पहुंच गए, जिस वजह से उन्हें जेल हुई और बाद में सशर्त जमानत हुई। लेकिन सीजेपी ने इसके बाद भी सरकार के गलत फैसलों और चुनाव आयोग की धांधली पर आवाज उठाना नहीं छोड़ा। सीजेपी देश के कई हिस्सों में स्कूल ठीक करो मुहिम भी चला रही है। हाल ही में उसने सीजेपी क्लब भी शुरु किया है, जिसमें समसामयिक विषयों पर परिचर्चा और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए युवाओं को मंच दिया जाएगा।

जोनाथन का जीनोम खोलेगा लंबी उम्र का राज

शोधकर्ताओं ने 194 वर्षीय जोनाथन में 287 ऐसे खास जीन वेरिएंट की पहचान की है, जो उम्र बढ़ने के सामान्य प्रभावों को कम करते हैं। ये वेरिएंट क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत, सूजन को कम करने, इंसुलिन को नियंत्रित करने और कैंसर को रोकने जैसी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं। कछुए धरती पर सबसे लंबी उम्र वाले जीवों में गिने जाते हैं। दुनिया के कुछ द्वीपों में रहने वाले विशाल कछुओं की उम्र 150 साल या उससे भी अधिक हो सकती है। इस समय दुनिया का सबसे उम्रदराज कछुआ दक्षिण अटलांटिक महासागर में स्थित सेंट हेलेना द्वीप पर रह रहा है। जोनाथन नाम के इस विशाल कछुए के डीएनए में बुढ़ापे को रोकने के राज छिपे हुए हैं। इस कछुए में 287 ऐसे अनोखे जीन वेरिएंट पाए गए हैं, जो डीएनए की मरम्मत और बुढ़ापे से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इनसे इंसानों के इलाज के लिए कुछ अहम सुराग मिल सकते हैं।

जोनाथन जब 1832 में पैदा हुआ था, तब चार्ल्स डार्विन एक युवा खोजकर्ता थे और महारानी विक्टोरिया ने अभी तक गद्दी नहीं संभाली थी। हैरानी की बात यह है कि लगभग दो सदियां बीत जाने के बाद भी जोनाथन जीवित है। वैज्ञानिकों को उसके शरीर में कुछ खास बातें देखने को मिली हैं। 194 साल की अनुमानित उम्र होने के बावजूद जोनाथन के डीएनए में मरम्मत और मेटाबॉलिज्म (चयापचय) को नियंत्रित करने वाले ऐसे आनुवंशिक तंत्र हैं, जो बहुत कम उम्र के कछुओं से काफी मिलते–जुलते हैं।

पिछले 144 सालों से जोनाथन सेंट हेलेना द्वीप पर रह रहा है। वह 1882 में सेशेल्स से सेंट हेलेना के गवर्नर को उपहार के तौर पर दिया गया था। उस समय वह पूरी तरह विकसित हो चुका था और तब से उसने अपनी जिंदगी का अधिकांश समय गवर्नर के निवास 'प्लांटेशन हाउस' के परिसर में घूमते हुए बिताया है। जोनाथन की लंबी उम्र के पीछे के जैविक कारणों का पता लगाने के लिए अमेरिका की कैलेल नामक संस्था के शोधकर्ताओं ने उसके डीएनए और उसकी गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले तंत्र की जांच की। यह संस्था दीर्घायु पर शोध ा करती है। किसी विशाल कछुए के 'एपिजीनोम' (जीन को चालू या बंद करने वाले स्विच की प्रणाली) की जांच करने वाला यह पहला अध्ययन है। ये स्विच आमतौर पर समय के साथ बदलते रहते हैं, जिससे बुढ़ापा आता है। लेकिन जब शोधकर्ताओं ने जोनाथन के एपिजीनोम की तुलना कम उम्र के विशाल अल्डाबरा कछुओं से की, तो उन्हें डीएनए की मरम्मत और मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने वाले स्विच में बहुत समान पैटर्न देखने को मिले। अल्डाबरा कछुओं का जीवनकाल 100 से 150 साल के बीच होता है।

इस अध्ययन में शामिल कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक डॉ. जस्टिन गेरलाक ने बताया कि जोनाथन में ऊर्जा उत्पादन और डीएनए की मरम्मत से जुड़े



जीन रेगुलेटर लगभग दो सदियों से बेहद स्थिर बने हुए हैं। शोध ाकर्ताओं ने 194 वर्षीय जोनाथन में 287 ऐसे खास जीन वेरिएंट की पहचान की है, जो उम्र बढ़ने के सामान्य प्रभावों को कम करते हैं। ये वेरिएंट क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत, सूजन को कम करने, इंसुलिन को नियंत्रित करने और कैंसर को रोकने जैसी प्रक्रियाओं में भूमिका निभाते हैं। डीएनए और एपिजीनोम से मिले नतीजे बताते हैं कि जोनाथन में सुरक्षात्मक आनुवंशिक विशेषताओं और प्रमुख जीनों के नियमन में स्थिरता का अनूठा मेल है।

गेरलाक ने कई दशकों तक विशाल कछुओं के पारिस्थिति की तंत्र और उनके संरक्षण का अध ययन किया है, लेकिन उनकी असाधारण रूप से लंबी उम्र पर यह उनका पहला शोध है। गैलापागोस और सेशेल्स द्वीपों के विशाल कछुए उन जानवरों के आखिरी बचे हुए प्रतिनिधि हैं, जिनका कभी दुनिया के कई द्वीपों के पारिस्थितिकी तंत्र में दबदबा हुआ करता था। दुनिया में बहुत कम ऐसे जीव हैं, जो हमें गैलापागोस और सेशेल्स द्वीपों के विशाल कछुओं की तुलना में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी दे सकते हैं।

इस अध्ययन के वरिष्ठ लेखक स्टीफन क्लार्क का कहना है कि प्रकृति ने उम्र बढ़ने की पहेली को पहले ही अद्भुत तरीकों से सुलझा लिया है। जोनाथन का जीनोम (जीनों का संपूर्ण समूह) सेल्युलर रेजिलिएंस यानी कोशिकाओं की सहनशक्ति और जीवटता का खाका प्रस्तुत करता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अच्छे जीन और आनुवंशिक क्षति से बचाव की क्षमता के कारण ही जोनाथन लगभग दो सदियों तक जीवित रह पाया है। वैज्ञानिकों का लक्ष्य इस नई खोज का उपयोग आम लोगों के लिए व्यावहारिक और किफायती इलाज विकसित करने में करना है। बढ़ती उम्र लगभग हर उस पुरानी बीमारी के लिए सबसे बड़ा जोखिम कारक है, जिसका हम सामना करते हैं।

इस बीच, एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि इटली के सार्डिनिया द्वीप पर स्थित बोलोटाना नामक पहाड़ी गांव की महिलाएं असाधारण रूप से लंबी उम्र जीती हैं। 'फ्रंटियर्स इन एजिंग' पत्रिका में प्रकाशित अध ययन के अनुसार, इस गांव में 70 साल की उम्र तक पहुंचने वाली लगभग 13.8 प्रतिशत महिलाएं 100 वर्ष या उससे अधिक आयु तक जीवित रहती हैं। यह दर इटली के राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी अधिक है। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने इस गांव को नए 'ब्लू जोन' के संभावित केंद्र के रूप में पहचाना है।

ब्लू जोन दुनिया के उन विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों को कहा जाता है, जहां के निवासी सामान्य लोगों की तुलना में अधिक उम्र (अक्सर 100 साल या उससे अधिक) तक जीवित रहते हैं और उनका स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है। इसकी अवधारणा को सबसे पहले शोधकर्ता डैन ब्यूटनर ने लोकप्रिय बनाया था। दुनिया में मुख्य रूप से पांच स्थानों को 'ब्लू जोन' के रूप में मान्यता प्राप्त है। ये हैं– ओकिनावा (जापान), सार्डिनिया (इटली), निकोया प्रायद्वीप (कोस्टा रिका), इकारिया (ग्रीस) और लोमा लिंडा (कैलिफोर्निया)।

वैज्ञानिकों का कहना है कि शारीरिक सक्रियता दीर्घायु का एक बड़ा कारण हो सकती है। इस गांव के लोग पहाड़ी रास्तों और ढलान वाली गलियों में पैदल चलते हैं, जिससे वे पूरे दिन सक्रिय रहते हैं। दूसरा कारण खान–पान है। इनका पारंपरिक आहार मुख्य रूप से वनस्पति पर आधारित होता है, जिसमें फल, सब्जियां, बीन्स, गेहूं और जैतून का तेल शामिल हैं। तीसरा बड़ा कारण यहां के लोगों का मजबूत सामाजिक जुड़ाव है। परिवार, दोस्तों और समुदाय के साथ मेल–जोल तथा धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी इनकी अच्छी सेहत का एक बड़ा राज है।

चरित्रों की दुकान पर जमीर 'आउट ऑफ स्टॉक'

नौजवान ने आयोजक से पूछा, 'क्या अब इस शहर में कोई बेईमान बचा ही नहीं?' आयोजक मुस्कराया, 'बेईमान तो बहुत हैं, लेकिन अब उन्होंने ईमानदारी का लाइसेंस ले लिया है।'

शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पर इन दिनों चरित्र की नीलामी चल रही थी। मंच पर माइक लगा था और सामने बड़े–बड़े खरीदार बैठे थे। उद्घोषक ने घोषणा कीकृ'आइए, अपनी जरूरत के मुताबिक चरित्र चुनिए। यहां ईमानदारी से लेकर अवसरवादिता तक सब उपलब्ध है। कीमत चरित्र की नहीं, उसकी उपयोगिता की लगेगी।'

सबसे पहले एक सफेदपोश सज्जन ने बोली लगाई। उन्हें ऐसा चरित्र चाहिए था, जो सामने सत्य की दुहाई दे और पीछे झूठ की फैक्टरी चलाए। बोली तुरंत मंजूर हो गई। फिर एक जनप्रतिनिधि ने ऐसा चरित्र खरीदा, जो चुनाव के समय जनता के चरणों में रहे और जीतते ही जनता को पहचानने से इनकार कर दे। तालियां बजीं। निर्णायक भी मुस्करा उठे।

तभी एक नौजवान ने पूछा, 'यहां कोई ऐसा चरित्र भी है, जो बिना लाभ के सच बोल सके?' पूरा पंडाल शांत हो गया। उद्घोषक ने चश्मा ठीक किया और आयोजकों से सलाह लेने लगा। काफी खोजबीन के बाद जवाब आयाकृ 'ऐसी वस्तु का कोई ताजा स्टॉक उपलब्ध नहीं है। पिछली सदी में कुछ नमूने मिले थे, मगर बाजार की परिस्थितियों में टिक नहीं पाए।' नौजवान ने पूछा, 'तो क्या अब सच बोलना अपराध है?' उद्घोषक हंसा, 'अपराध नहीं, लेकिन व्यावसायिक दृष्टि से घाटे का सौदा जरूर है।'

नीलामी समाप्त हुई। खरीदार अपने–अपने नए चरित्र लेकर चले गए। अगले दिन अखबारों में सुर्खियां थींकृ'शहर में चरित्रवान लोगों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि।' नौजवान ने आयोजक से पूछा, 'क्या अब इस शहर में कोई बेईमान बचा ही नहीं?' आयोजक मुस्कराया, 'बेईमान तो बहुत हैं, लेकिन अब उन्होंने ईमानदारी का लाइसेंस ले लिया है।'

बर्बरता व विस्थापन के त्रास और धूमिल आस

पुराने मीरपुर की गलियां और मंदिर भले ही मंगला बांध के पानी के नीचे दबे हों। फिर भी, किसी समाज के इतिहास को डुबोया नहीं जा सकता, उसकी पहचान को कानून बनाकर मिटाया नहीं जा सकता, और उसके वंशजों के जायज दावों को दबाया नहीं जा सकता।

आजादी के ठीक बाद पाकिस्तानी कबायली आक्रमण व हफ्तों की भीषण घेराबंदी के बाद ऐतिहासिक शहर मीरपुर का पतन हुआ। 25 नवंबर, 1947 को हमले के बाद हुआ सामूहिक नरसंहार, बड़े पैमाने पर अपहरण, लूटपाट और जबरन निष्कासन का एक सुनियोजित षड्यंत्र था। हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों को चुन–चुनकर निशाना बनाया गया। हर साल 25 नवंबर को मीरपुर के विस्थापित परिवार 'मीरपुर बलिदान दिवस' मनाते हैं। यह दिन जीवित बचे लोगों और वंशजों के लिए यह रिसता गहरा घाव है। जो समेटे हुए हिंसक विस्थापन, कूटनीतिक विस्मृति और संस्थागत उपेक्षा के उन्यासी वर्षों का दर्द।

मीरपुर के लोगों ने किसी युद्ध के दौरान पराजित पक्ष के साथ आदिम क्रूरता झेली। यह सामूहिक नरसंहार, सामूहिक अपहरण, लूटपाट और बेदखली का सुनियोजित षड्यंत्र था। महिलाओं का अपहरण कर अमानवीय अत्याचार किए गएय समाज के बुजुर्गों पेशेवरों और नागरिक नेताओं की निर्मम हत्या की गई। रातों–रात मीरपुर, भीमबर, कोटली, मुजफ्फराबाद और पुंछ के मूल निवासियों के घर, व्यवसाय, उपजाऊ जमीनें और पवित्र धर्मस्थल छीन लिए गएकृउन्हें केवल तन के कपड़ों के साथ बाहर खदेड़ दिया गया। मीरपुर की त्रासदी स्वतंत्र भारत के कूटनीतिक अभिलेखों में काले अक्षरों में दर्ज है।

मीरपुर के पतन के महज सात दिन बाद 2 दिसंबर, 1947 कोकृप्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को एक अर्जेंट टेलीग्राम भेजा था। जो नेहरू अभिलेखागार में सुरक्षित है और भारत सरकार के 'जम्मू और कश्मीर पर श्वेत पत्र' में पुनः प्रकाशित हुआ। नेहरू ने कहा था 'मीरपुर शहर पूरी तरह से नष्ट हो चुका है।' उन्होंने दर्ज किया कि 13,000 गैर–मुस्लिमों में से केवल 2,000 ही किसी तरह जान बचाकर भारत पहुंच पाए थे। उन्होंने हजारों लापता शरणार्थियों और बड़ी संख्या में अपहृत हिंदू महिलाओं को लेकर गहरी चिंता जतायी थी। सामूहिक अत्याचार के आधिकारिक रिकॉर्ड पर दर्ज होने के बावजूद विस्थापितों के प्रति उन्यासी वर्षों की निष्क्रियता और चुप्पी का आखिर क्या औचित्य है? आठ दशकों से संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक मानवाधिकार संस्थानों ने जम्मू–कश्मीर के क्षेत्रीय विवाद का हर पहलू से विश्लेषण किया हैकृलेकिन मीरपुर के हिंदू–सिख अल्पसंख्यकों के नस्लीय सफाए पर उन्होंने रहस्यमय चुप्पी साधे रखी। धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को निशाना बनाया गया था। ऐसे अपराध जिनकी संयुक्त



राष्ट्र नरसंहार कन्वेंशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय जांच होनी चाहिए थी। चुनिंदा मामलों में मानवाधिकारों की वकालत मानवीय गरिमा के साथ विश्वासघात है।

आज, 1947 की भयावहता को झेलने वाली लगभग पूरी पीढ़ी बिना न्याय देखे इस दुनिया से विदा हो चुकी है। उनके बच्चों और नाती–पोतों को न केवल निर्वासन का दर्द मिला, बल्कि एक संवेदनहीन नौकरशाही से भी लड़ना पड़ा। संसद में पेश आधिकारिक आंकड़े पीओजेके के 31,619 पंजीकृत विस्थापित परिवारों को स्वीकार करते हैं कृजिनमें 26,319 जम्मू–कश्मीर में और 5,300 अन्य राज्यों में फैले हुए हैं। इसके अलावा अनगिनत परिवार जान बचाने के डर से सीधे दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भाग गए। जो औपचारिक शिविर पंजीकरण से वंचित रह गए। पलायन के दौरान संयुक्त परिवार टूट गए, जिससे परिवारों की पूरी शाखाएं आधिकारिक सूचियों से बाहर हो गईं।

जब लोग जान बचाने हेतु जलते शहरों से भाग रहे थे, तब संपत्ति के कागजात और पंजीकरण पर्चियां साथ ले जाना असंभव था। आज किसी पीड़ित के वंशज को केवल इसलिए उसके जन्मसिद्ध अधिकार से वंचित करना कि 1947 में उसके दादा–दादी के पास कागजात नहीं थे, नौकरशाही की क्रूरता है। दूसरी ओर 1961 और 1967 के बीच, पाकिस्तान ने कब्जे वाले क्षेत्र के भीतर झेलम नदी पर मंगला बांध का निर्माण किया। जलाशय ने ऐतिहासिक शहर मीरपुर, आसपास के दर्जनों गांवों और पुश्तैनी कृषि भूमि के बड़े हिस्से को जलमग्न कर दिया। खदेड़े जा चुके परिवारों के पुश्तैनी घर, मोहल्ले, मंदिर और विरासत गहरे पानी के नीचे समा गए। केंद्र सरकार द्वारा 2016 में प्रति पात्र परिवार 5.5 लाख रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता की मंजूरी एक विलंबित स्वीकृति थीकृ लेकिन सांकेतिक मुआवजा व्यापक पुनर्वास का विकल्प नहीं हो सकता। अनसुलझे भूमि अधिकार, गायब रिकॉर्ड, विभाजित परिवारों के दावे और जम्मू–कश्मीर से बाहर के परिवारों की उपेक्षा आज भी हजारों लोगों को अधर में लटकाए हुए है। आज तीसरी पीढ़ी के युवा नागरिक अपने ऐतिहासिक विस्थापन की किसी भी संरचनात्मक मान्यता के बिना विश्वविद्यालयों, व्यवसायों और सार्वजनिक जीवन में कदम रख रहे हैं।

वे स्थायी और योग्य अधिकार मांग रहे हैं। पीड़ितों की मांग है कि केंद्र तुरंत एक अधिकार प्राप्त समिति गठित करे। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बहाली के लिये, पीओजेके विस्थापितों के लिए विधानसभा की आठ सीटों को अनफ्रीज करने की 2014 की संसदीय स्थायी समिति की सिफारिश पर कार्रवाई करें। 2023 के संशोधन के तहत एक मनोनीत प्रतिनिधि केवल प्रतीकात्मक है। विस्थापितों को ठोस विधायी शक्ति की आवश्यकता है।

पीओजेके विस्थापित परिवारों के पात्र बच्चों और नाती–पोतों के लिए एक शैक्षिक ढांचा में देश भर के केंद्रीय वि.वि., आईआईटी ,एनआईटी ,मेडिकल कॉलेजों और प्रमुख संस्थानों में अतिरिक्त (सुपरन्यूमेरी) सीटें, छात्रवृत्ति और शुल्क रियायतें शामिल हों। केंद्रीय सरकारी सेवाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में पात्र वंशजों के लिए आयु–शुल्क में छूट सहित विशेष रोजगार–सहायता उपाय शुरू करें।दूसरी और तीसरी पीढ़ी के सदस्यों के लिए एक मानकीकृत, राष्ट्रीय स्तर पर मान्य 'पीओजेके विस्थापित परिवार वंशज प्रमाण पत्र' अनिवार्य करें। छूटे हुए परिवारों के लिए पंजीकरण फिर से खोलें जाएं। पिछली सूचियों से बाहर रह गए वास्तविक परिवारों और विभाजित शाखाओं के लिए एक विशेष, समयबद्ध सत्यापन अभियान शुरू करें। जिसमें खोई हुई 1947 की पर्चियों के स्थान पर ऐतिहासिक सरकारी पत्राचार, राजस्व रिकॉर्ड और विश्वसनीय पुष्टिकारक साक्ष्यों को स्वीकार किया जाए माना एक मातृभूमि युद्धविराम रेखा के पार कट गई। मूल प्रत्यक्षदर्शी अब न रहे। पुराने मीरपुर की गलियां और मंदिर भले ही मंगला बांध के पानी के नीचे दबे हों। फिर भी, किसी समाज के इतिहास को डुबोया नहीं जा सकताा।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री दीर्घेश्वर नाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली, 11 हजार दीपों से जगमगाया मंदिर परिसर

मझौली राज, देवरिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के श्री दीर्घेश्वर नाथ मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर देव दीपावली महोत्सव बड़े ही श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा मंदिर परिसर 11 हजार दीपों की अलौकिक रोशनी से जगमगा उठा। दीपों की जगमगाहट ने मंदिर परिसर को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान किया। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन पार्वती सरोवर के घाट पर भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद एवं आरती की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर सनातन संस्कृति, आस्था और परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त





की। इसके साथ ही आकर्षक आतिशबाजी ने आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए। महंत श्री जगन्नाथ दास जी महाराज के सानिध्य में आयोजित इस महोत्सव में मझौली राज सहित आसपास के अनेक गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई और दीपोत्सव को यादगार बनाया। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा प्रदान की, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित करने और सनातन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी संदेश दिया।

देव दीपावली के इस भव्य आयोजन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय और दीपमय नजर आया।

सलेमपुर में फॉर्म–6 को लेकर विवाद SDM के हस्तक्षेप के बाद जमा हुआ फॉर्म

बूथ संख्या 28 पर BLA का आरोप, BLO ने पहले लेने से किया था इनकार

सलेमपुर (देवरिया)। कस्बा सलेमपुर के बूथ संख्या 28 पर फॉर्म–6 जमा करने को लेकर विवाद हो गया। समाजवादी पार्टी के बूथ लेवल एजेंट अरशद खान का आरोप है कि जब वे 8 फॉर्म–6 भरकर बीएलओ ज्योति श्रीवास्तव के पास जमा करने गए, तो बीएलओ ने फॉर्म लेने से इनकार कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर सपा महासचिव एवं सांसद मीडिया प्रभारी मंजूर आलम मौके पर पहुंचे। उन्होंने बीएलओ से कहा कि एसडीएम सलेमपुर ने निर्देश दिया है कि फॉर्म–6 में सिर्फ आधार कार्ड लगाकर भरकर दे देना है। आरोप है कि इसके बावजूद बीएलओ ने फॉर्म नहीं लिया। इसके बाद सपा महासचिव ने एसडीएम से फोन



पर बात कर पूरी जानकारी दी। एसडीएम के आदेश पर बीएलओ ने फॉर्म–6 जमा किया और उसकी रसीद भी दी।

मंजूर आलम ने एसडीएम से मांग की कि इस तरह की गड़बड़ी हर बूथ पर हो सकती है, इसलिए सभी बीएलओ को आदेश दिया जाए कि फॉर्म–6 में सिर्फ आधार कार्ड पर ही नाम जोड़ा जाए, ताकि मतदाताओं की संख्या बढ़ सके।

चुनावी तैयारियों की नब्ज टटोलने सचिव स्तर के अधिकारी पहुंचे गोरखपुर

आज आएंगे वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, दो दिन में पांच मंडलों के 17 जिलों की होगी समीक्षा।

संवाददाता

गोरखपुर महानगर, गोरखपुर। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को आयोग और केंद्र सरकार के सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी गोरखपुर पहुंच गए। गुरुवार 26 नवंबर को भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग भी गोरखपुर आएंगे। उनके नेतृत्व में दो दिनों तक पांच मंडलों के 17 जनपदों की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। उच्चस्तरीय बैठक को लेकर प्रशासनिक और निर्वाचन महकमे में हलचल तेज हो गई है। बुधवार को गोरखपुर पहुंचे अधिकारियों में प्रमुख सचिव अरविंद आनंद, सचिव अजय कुमार वर्मा, सचिव संतोष कुमार दुबे, अवर सचिव प्रफुल्ल अवस्थी और अवर सचिव दीपमाला शामिल हैं। इन अधिकारियों के पहुंचने के साथ हीं गुरुवार से शुरू होने वाली समीक्षा बैठक की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे।

26 नवंबर को गोरखपुर में होने वाली बैठक में गोरखपुर, वाराणसी और बस्ती मंडलों के 11 जनपदों की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इसमें गोरखपुर मंडल के गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज, वाराणसी मंडल के वाराणसी, जौनपुर, चंदौली और गाजीपुर तथा बस्ती मंडल के बस्ती, संतकबीर नगर और सिद्धार्थनगर जिले शामिल हैं।

वहीं 27 नवंबर को आजमगढ़ और विंध्याचल मंडलों के छह जनपदों की समीक्षा होगी। आजमगढ़ मंडल के आजमगढ़, मऊ और बलिया तथा विंध्याचल मंडल के मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र जिले की निर्वाचन तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। बताते चलें दो दिनों तक चलने वाली इस समीक्षा बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक की गई तैयारियों का आकलन किया जाएगा। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी संबंधित जिलों के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से निर्वाचन व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। चुनाव में अभी समय है, लेकिन आयोग ने पहले से ही तैयारियों की पड़ताल शुरू कर दी है, ताकि समय रहते कमियों को दूर कर चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

साथी ने चाकू से गोदकर की थी हत्या, आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त चाकू भी हुआ बरामद

संवाददाता

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली पुलिस ने विवेक नगर में हुए चर्चित हत्या कांड का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा भी बढ़ा दी गई है। वहीं पुलिस के अनुसार 22 नवंबर 2026 की रात छिन्दौरा, परियांवा निवासी वादी को सूचना मिली कि उनके 52 वर्षीय भाई, जो पिछले करीब पांच वर्षों से विवेक नगर में किराये पर रह रहे थे, पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने धारदार हथियार से कई वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। परिजन मौके पर पहुंचे तो वह बेहोशी की हालत में मिले। उन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज रेफर कर



दिया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद वादी की तहरीर पर नगर कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) क ी धाराओं 109(1) एवं 110 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान घायल की मृत्यु होने पर मुकदमे में धारा 103(1) (हत्या) की बढ़ोतरी कर दी गई। बताते चलें पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में थाना प्रभारी विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने जांच के दौरान साक्ष्य जुटाते हुए मामले का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी जितेन्द्र कुमार शुक्ल (54) निवासी ग्राम जाजूपुर, थाना मानिकपुर, हाल पता विवेक नगर, थाना कोतवाली नगर को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर भुलियापुर –दहिलामऊ रोड स्थित पुलिया के नीचे छिपाकर रखा गया घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया। चाकू की बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 4ध्25 आर्म्स एक्ट की भी बढ़ोत्तरी की गई है। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्यवाही में निरीक्षक राकेश राय, वरिष्ठ उप निरीक्षक उपदेश कुमार, उप निरीक्षक बेंचू सिंह यादव व उप निरीक्षक रमेश तिवारी सहित नगर कोतवाली पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

फसल नुकसान पहुंचाने को लेकर दो पर केस दर्ज

संवाददाता

प्रतापगढ़। फसल को नुकसान पहुंचाने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बताते चलें लालगंज कोतवाली के मांदीपुर गांव की मालती पत्नी सुरेन्द्र पाण्डेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि आरोपी संजय पाण्डेय पुत्र राजेन्द्र पाण्डेय व प्रकाशचंद्र पाण्डेय ने उसकी सरसों की फसल को नष्ट करने की नीयत से खेत में पानी भर दिया। आरोपीगण फोन पर धमकी भी देते रहते हैं। जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से मां की रीढ़ टूटी, एफआईआर न होने पर कोर्ट पहुंचा पीड़ित

संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुई महिला के मामले में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न किए जाने का आरोप लगाते हुए पीड़ित युवक ने न्यायालय की शरण ली है। न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर थानाध्यक्ष पट्टी को मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने का आदेश देने की मांग की गई है। बताते चलें पट्टी कोतवाली क्षेत्र के धौरहरा गांव निवासी प्रिंस मौर्य ने न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 28 अगस्त 2026 को वह अपनी मां सरोजा देवी के साथ बाइक से सीएचसी पट्टी जा रहा था। आरोप है कि पीछे से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रही बाइक (यूपी 72 सीयू 8801) के अज्ञात चालक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मां–बेटे दोनों घायल हो गए, जबकि सरोजा देवी की रीढ़ की हड्डी (डी–12) में फ्रैक्चर हो गया।

प्रार्थना पत्र के अनुसार प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें प्रयागराज रेफर कर दिया, जहां तेज बहादुर सप्रू अस्पताल में ऑपरेशन कराया गया। इलाज में व्यस्त रहने के कारण 4 सितंबर को पट्टी थाने में घटना की लिखित सूचना दी गई, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने न तो एफआईआर दर्ज की और न ही कोई कार्यवाही की।

वहीं पीड़ित का कहना है कि उसने 15 सितंबर को पुलिस अधीक्षक से भी शिकायत की तथा 1 अक्टूबर को रजिस्ट्री के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद प्रिंस मौर्य ने अधिवक्ता प्रेम प्रकाश गौतम एवं धर्मराज पटेल के माध्यम से न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर थानाध्यक्ष पट्टी को मुकदमा दर्ज कर विवेचना कराने का आदेश दिए जाने की मांग किया है।

आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का आरोपी गिरफ्तार, सोशल मीडिया शिकायत पर हुई कार्यवाही

संवाददाता

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल किए जाने की शिकायत मिलने पर थाना महेशगंज में मुकदमा संख्या 309ध्2026 धारा 353(3), 352 एवं 351(3) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना के दौरान आरोपी की तलाश की जा रही थी।

इसी क्रम में उप निरीक्षक अजय कुमार ने हमराह कांस्टेबल प्रेमवीर सिंह और आरक्षी मिथलेश कुमार के साथ दबिश देकर नामजद आरोपी वीरेन्द्र यादव (32) पुत्र स्वर्गीय भोलानाथ यादव निवासी ग्राम दुवानन का पुरवा, रायअसकरनपुर, थाना महेशगंज को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध दर्ज मुकदमे में नियमानुसार विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया है। मामले की विवेचना जारी है तथा पुलिस सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर लगातार निगरानी बनाए हुए है।

रुद्रपुर में 28 नवंबर को लगेगा कल्याणकारी शिविर, मौके पर ही होंगे आवेदन

देवरिया। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि जिला समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, प्रोबेशन, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 28 नवंबर को प्रातः 10 बजे तहसील सभागार, रुद्रपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जाएगा।

शिविर में सहायक उपकरण, दिव्यांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन एवं निराश्रित महिला पेंशन सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। साथ ही पात्र लाभार्थियों के आवेदन मौके पर ही किए जाएंगे। अधिकारी ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों, वरिष्ठजनों एवं अन्य पात्र लाभार्थियों से शिविर में उपस्थित होकर लाभ उठाने की अपील की है।

डिप्टी सीएम के सरकारी आवास पर सामाजिक संपर्क बैठक हुई

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विभिन्न समाजों को साधने की कवायद तेज कर दी है। बुधवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के राजभवन कॉलोनी स्थित सरकारी आवास पर सामाजिक संपर्क बैठक हुई। इसमें धारकर, सोनकर, धानुक और स्वर्ण समाज समेत कई वर्गों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का स्लोगन 'अनेक समाज, एक परिवार' रखा गया। भाजपा ने सभी समाजों को एक मंच पर लाकर संवाद और समर्थन जुटाने की कोशिश की। बैठक की अध्यक्षता डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने की। पूर्व सांसद विनोद सोनकर समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। डिप्टी सीएम ने कहा प्रदेश में तीसरी बार भी यूपी में प्रचंड बहुमत से जीतकर सरकार बनाएंगे। ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी 25 करोड़ लोगों का एक परिवार है। पिछले 10 वर्षों में प्रदेश ने विकास की नई कहानी लिखी है। कानून–व्यवस्था बेहतर हुई है। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं जन–जन तक पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ सभी समाजों को साथ लेकर चल रही है। डिप्टी सीएम ने दावा किया कि भाजपा 2027 में तीसरी बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सभी समाजों का समर्थन मिल रहा है। भाजपा अब जन–जन की पार्टी बन चुकी है। बैठक में समाजों के प्रतिनिधियों के साथ परिवार की तरह बैठकर चर्चा और सामूहिक भोजन भी हुआ। ब्रजेश पाठक ने सपा की प्रत्याशी सूची पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि सपा तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। उसका सर्व समाज से कोई जुड़ाव नहीं है। भाजपा सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है।

अटल आवासीय विद्यालय से चार बच्चों ने क्यों छोड़ा स्कूल ? मंडलायुक्त ने मांगी रिपोर्ट

- **कक्षा छह की 140 और नौवीं की चार रिक्त सीटों पर होगी प्रवेश परीक्षा, पात्र बच्चों तक योजना पहुंचाने के लिए चलेगा विशेष अभियान।**
- **प्रधानाचार्य नहीं बता सके चार विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने की वजह, एक सप्ताह में दोबारा होगी समीक्षा बैठक।**

संवाददाता

गोरखपुर महानगर, गोरखपुर। अटल आवासीय विद्यालय, सहजनवां में पढ़ाई छोड़कर जाने वाले चार विद्यार्थियों के मामले को मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह ने गंभीरता से लिया है। बुधवार को आयुक्त सभागार में मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक में जब इन चार विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने की वजह पूछी गई तो प्रधानाचार्य अजीत कुमार सिंह स्थिति स्पष्ट नहीं कर सके। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताते हुए चारों विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने के कारणों सहित विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने के पीछे क्या परिस्थितियां रहीं, इसकी जानकारी सामने आनी चाहिए। केवल सीट रिक्त होने के आधार पर प्रवेश परीक्षा की तैयारी करना पर्याप्त नहीं है।

बताते चलें मंडलायुक्त एवं मंडल स्तरीय अनुश्रवण समिति के अध्यक्ष इंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2027–28 के लिए प्रवेश परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की गई। इस सत्र में कक्षा छह के लिए 140 विद्यार्थियों तथा कक्षा नौ के लिए चार विद्यार्थियों का प्रवेश प्रस्तावित है। कक्षा नौ की चार सीटें पूर्व में अध्ययनरत चार विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने के कारण रिक्त हुई हैं। इन सीटों पर नए छात्र–छात्राओं के नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं बैठक में मंडलायुक्त ने प्रवेश परीक्षा को लेकर संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अटल आवासीय विद्यालय का उद्देश्य



श्रमिक परिवारों और कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है। ऐसे में योजना का लाभ वास्तविक पात्र बच्चों तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए केवल आवेदन आने का इंतजार करने के बजाय विभागों को स्वयं सक्रिय होकर पात्र परिवारों तक पहुंचना होगा।

वहीं मंडलायुक्त ने श्रम विभाग को निर्देश दिया कि विभाग की ओर से संचालित सभी योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए। उप श्रमायुक्त, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला प्रोबेशन अधिकारी को विशेष रूप से निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (यूपीबीओसीडब्ल्यू) में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों तथा कोरोना काल में निराश्रित हुए बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाए। पात्र बच्चों और उनके अभिभावकों को विद्यालय में प्रवेश की पात्रता, प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया और आवेदन से संबंधित पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि पात्रता रखने वाले परिवारों को जानकारी के अभाव में योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से ऐसे बच्चों की पहचान करें और उनके अभिभावकों को आवेदन के लिए प्रेरित करें। मंडल स्तरीय प्रवेश परीक्षा में अधिक से अधिक पात्र छात्र–छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्रवेश परीक्षा का आयोजन पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से कराने के लिए सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का समय से निर्वहन करें।

इस दौरान बैठक में मंडलायुक्त ने अटल आवासीय विद्यालय की शैक्षणिक और आवासीय व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति जानने पर भी जोर दिया। उन्होंने कुशीनगर की श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुश्री अलंकृता उपाध्याय को विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। साथ ही अध्ययनरत छात्राओं से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी पढ़ाई, रहने की व्यवस्था और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी लेने तथा विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालय की व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना है।

बता दें बैठक के दौरान प्रवेश परीक्षा के अलावा अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई तो कुछ संबंधित अधिकारी संतोषजनक और तथ्यपरक जवाब नहीं दे सके। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना पूरी जानकारी और आवश्यक तथ्यों के बैठक में उपस्थित न हों। जिन विषयों पर निर्णय लिया जाना है, उनसे संबंधित औचित्यपूर्ण प्रस्ताव, अभिलेख और तथ्य साथ लेकर आएं। उन्होंने एक सप्ताह बाद फिर बैठक आयोजित करने का निर्देश देते हुए कहा कि अगली बैठक में सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों, ताकि लंबित विषयों पर प्रभावी निर्णय लिया जा सके। बैठक में उप श्रमायुक्त शक्ति सेन मौर्य, अटल आवासीय विद्यालय सहजनवां के प्रधानाचार्य अजीत कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

चार विद्यार्थियों के विद्यालय छोड़ने का कारण स्पष्ट नहीं होना और बैठक में अधिकारियों का तथ्यपरक जवाब नहीं दे पाना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करता है। अब मंडलायुक्त ने एक सप्ताह में रिपोर्ट और तथ्यों के साथ दोबारा बैठक करने का निर्देश दिया है। देखना होगा कि अगली बैठक तक संबंधित अधिकारी इन सवालों का कितना स्पष्ट जवाब दे पाते हैं।

रोजाना कितनी देर करना चाहिए योग, जानिए आयुष मंत्रालय से

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को स्वस्थ और फिट रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। ऑफिस का काम, घर की जिम्मेदारियां और दिनभर की व्यस्तता के बीच लोग अपनी सेहत के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में योग एक ऐसा तरीका है, जिसकी मदद से न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। यही वजह है कि आज बड़ी संख्या में लोग अपनी दिनचर्या में योग को शामिल कर रहे हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोजाना कितनी देर योग करना चाहिए? इस सवाल का जवाब देते हुए आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें बताया गया है कि योग करने की अवधि हर व्यक्ति के लिए एक जैसी नहीं हो सकती। यह व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, स्वास्थ्य स्थिति और जरूरतों पर निर्भर करती है। आयुष मंत्रालय के मुताबिक, जो लोग योग की शुरुआत कर रहे हैं, उनके लिए सामान्य तौर पर दिन में करीब 45 मिनट तक अभ्यास करने की सलाह दी



जाती है। हालांकि, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि हर व्यक्ति को रोजाना इतने ही समय तक योग करना चाहिए।

दरअसल, हर इंसान का शरीर अलग होता है। किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता अच्छी हो सकती है, जबकि कोई किसी बीमारी या शारीरिक परेशानी से जूझ रहा हो सकता है। ऐसे में दोनों के लिए योग का समय और अभ्यास एक जैसा नहीं हो सकता। इसलिए अपनी क्षमता को समझते हुए ही योग करना चाहिए।

कई बार लोग दूसरों को देखकर योग करने लगते हैं। अगर कोई व्यक्ति एक घंटे तक योग कर रहा है, तो दूसरा भी उतनी ही देर अभ्यास करने की कोशिश करता है। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। योग का फायदा तभी मिलता है, जब इसे अपनी जरूरत और शरीर की क्षमता के अनुसार किया जाए।

अगर आप पहली बार योग शुरू कर रहे हैं, तो शुरुआत में कठिन आसन करने या लंबे समय तक अभ्यास करने से बचें। धीरे–धीरे अपनी क्षमता के अनुसार अभ्यास का समय और स्तर बढ़ाएं। इस दौरान शरीर के संकेतों को समझना भी जरूरी है। किसी तरह का दर्द, चक्कर या असहजता महसूस होने पर अभ्यास रोक दें।

आयुष मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि योग का सही समय और अभ्यास तय करने के लिए योग शिक्षक या विशेषज्ञ की मदद ली जा सकती है। खासकर अगर आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं या पहले से कोई शारीरिक परेशानी है, तो बिना सलाह के कठिन योगासन न करें। विशेषज्ञ आपकी सेहत, उम्र और शारीरिक क्षमता को ध्यान में रखते हुए सही अभ्यास और उसकी अवधि बता सकते हैं। इससे योग का अभ्यास सुरक्षित और फायदेमंद बना रहता है।

ढिंढोरा 2 में स्पेशल अपीयरेंस पर हेली दारूवाला ने लुटाया प्यार, भुवन बाम को बताया बेहतरीन इंसान

अभिनेत्री हेली दारूवाला इन दिनों भुवन बाम की कॉमेडी वेब सीरीज ढिंढोरा सीजन 2 में रम्या के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री हेली दारूवाला ने भुवन बाम के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया। अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए ऐसे शो का हिस्सा बनना एक शानदार मौका था, जिसने पहले से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रखी है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह काफी समय से भुवन बाम के काम को फॉलो करती आ रही हैं। हेली दारूवाला ने भुवन बाम की क्रिएटिविटी और कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, भुवन के साथ काम करना और ढिंढोरा 2 जैसे कल्ट–क्लासिक शो का हिस्सा बनना बेहद खुशी की बात थी। रम्या का स्पेशल अपीयरेंस शूट करना बहुत मजेदार था। भुवन बहुत ही आसानी से लोगों को हंसा देते हैं और हम सेट पर इतना हंसे कि हमारे पेट में दर्द हो गया। उन्होंने बताया कि भले ही टीम के साथ उनका यह पहला प्रोजेक्ट था, लेकिन उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह पहली बार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने लंबे समय से भुवन के काम को फॉलो किया है और हमेशा से उनके काम की फैन रही हूं, लेकिन उन्हें पर्सनली जानने के बाद मेरी तारीफ और बढ़ गई। वह न सिर्फ बेहद टैलेंटेड हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं। यह सीरीज 20 नवंबर, 2026 को रिलीज हो चुकी है और अभिनेत्री ने दर्शकों की तरफ से मिल रहे रिस्पॉन्स पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, अब जब शो आ चुका है, तो इंडस्ट्री के दोस्तों से अपने सीन की तारीफ वाले कॉल मिलना दिल को छू लेने वाला है, वहीं फैंस मुझे मेरे अपीयरेंस के स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। इस तरह का प्यार और तारीफ इस अनुभव को और भी खास बना देती है। मैं इस शानदार शो का हिस्सा बनकर सच में बहुत खुश हूं। 8–एपिसोड वाली सीरीज में भुवन बाम (9 अलग–अलग किरदारों में) और कविता मामी के रूप में संजीदा शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं।



हनु–मान के बाद अब आएगी हनुमान 2 – द राइज ऑफ वानरास, सामने आया धमाकेदार पोस्टर

ब्लॉकबस्टर फिल्म हनु–मान के मेकर्स ने शनिवार को हनुमान 2 – द राइज ऑफ वानरास की घोषणा कर दी है। यह फिल्म लोकप्रिय हनु–मान यूनिवर्स का अगला चौप्टर होगा। हनुमान 2 – द राइज ऑफ वानरास की घोषणा करते हुए मेकर्स ने बताया कि इसमें अभिनेता वैष्णव तेज फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। प्रोडक्शन हाउस प्राइमशो एंटरटेनमेंट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्टर शेयर किया, जिसमें रहस्यमयी दुनिया की एक झलक देखने को मिलती है। बादलों के बीच से ऊपर उठते एक दमदार सीन दिखाई देता है, जिसके चारों ओर एक विशाल दिव्य पूंछ और एक अलौकिक दिव्य उपस्थिति है। इस विजुअल ने फिल्म से उम्मीदें भी बढ़ा दी हैं। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, जो एक सपने के साथ शुरू हुआ था, वह अब और भी बड़ी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। हनु–मान की विरासत को अपने अगले महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के साथ आगे ले जाने पर गर्व है। पेश है, हनुमान 2 – द राइज ऑफ वानरास। अभिनेता वैष्णव तेज फिल्म में लीड रोल में नजर आएंगे। आपको जल्द ही हम नया अपडेट देंगे। एक भव्य फैंटेसी एंटरटेनर के रूप में पेश की गई यह फिल्म, पौराणिक कथाओं, कल्पना और असाधारण सिनेमाई संभावनाओं से जुड़ी एक आकर्षक नई दुनिया के दरवाजे खोलेगी। इस फिल्म को वी. आनंद ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि इसका निर्माण के. निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी कर रहे हैं।



विजय वर्मा ने शेयर की सिक्किम ट्रिप की झलकियां, खूबसूरत वादियों की तारीफ कर जीता दिल

अभिनेता विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर फिल्म मिशन मिर्ची की शूटिंग के सिलसिले में सिक्किम गए हैं। इस दौरान उन्होंने अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय निकालकर इस इलाके का भ्रमण किया और यहां की खूबसूरत वादियों का आनंद लिया। शनिवार को अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी इस यात्रा की झलकियां शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें सिक्किम की खूबसूरत वादियों और संस्कृति से प्यार हो गया है। उन्होंने खुद से यह भी वादा किया कि वह इस खूबसूरत जगह पर एक बार फिर आएंगे, लेकिन इस बार सिर्फ छुट्टियां मनाने के लिए। अभिनेता ने अपनी इस यात्रा की तारीफ करते हुए लिखा, सिक्किम, तुम खूबसूरत हो। यहां गंगटोक में एक आने वाली फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग की और काम के बीच से कुछ घंटे चुराकर इस इलाके की शानदार खूबसूरती और संस्कृति का आनंद लिया। उन्होंने आगे लिखा, मैंने खुद से वादा भी किया है कि फिर से आऊंगा, इस बार सिर्फ छुट्टियां मनाने के लिए। क्राइम थ्रिलर फिल्म मिशन मिर्ची का निर्देशन कुणाल देशमुख कर रहे हैं और इसे मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। इसमें विजय वर्मा के साथ जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता विजय वर्मा की बात करें, तो वह पिछली बार फिल्म लस्ट स्टोरीज 3 में नजर आए थे। यह एक एंथोलॉजी फिल्म है, जो लस्ट स्टोरीज का तीसरा भाग है, जिसमें चार शॉर्ट फिल्में हैं। इन्हें विक्रमादित्य मोटवानी, किरण राव, शकुन बत्रा और विशाल भारद्वाज ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में राधिका आप्टे, कोंकणा सेन शर्मा, विजय वर्मा, अभिषेक बनर्जी, गुरफतेह पीरजादा, सना थंपी, अली फजल, राधिका मदान, अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ जैसे कई सितारे हैं। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली थी, जहां चारों कहानियों में से किसी एक पर सबकी राय एक जैसी नहीं है। कई दर्शकों का मानना है कि फिल्म की चारों कहानियों का स्तर एक जैसा नहीं है। किसी को कोई कहानी बेहद पसंद आई तो कोई हिस्सा धीमा या औसत लगा।

सिर्फ वजन ही नहीं बढ़ाता मोटापा, शरीर को इन 8 बीमारियों का बना सकता है शिकार

बढ़ता वजन सिर्फ आपकी शारीरिक बनावट को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि सेहत के लिए भी कई परेशानियां खड़ी कर सकता है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। मोटापा टाइप–2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है। खराब खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव, नींद की कमी और कुछ स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां वजन बढ़ने की वजह बन सकती हैं। यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, मोटापे का संबंध कई बीमारियों से है। ऐसे में समय रहते वजन को नियंत्रित करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। मोटापे से बढ़ सकता है इन 8 बीमारियों का खतरा।

टाइप–2 डायबिटीज

मोटापा टाइप–2 डायबिटीज के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल है। इस बीमारी में शरीर इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता, जिसके कारण खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। खासकर पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ा सकती है। वजन को स्वस्थ सीमा में रखने और नियमित शारीरिक गतिविधि करने से टाइप–2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर

मोटापे के कारण हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन का खतरा भी बढ़ सकता है। शरीर में अतिरिक्त चर्बी होने से दिल को खून पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। इसके अलावा मोटापा किडनी और रक्त वाहिकाओं के कामकाज को भी प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक ब्लड प्रेशर बढ़ा रहने से दिल और दिमाग से जुड़ी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

दिल की बीमारियां

अधिक वजन और मोटापा दिल की सेहत पर भी असर डाल सकते हैं। शरीर में अतिरिक्त फैट होने से हाई ब्लड प्रेशर, खराब कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये सभी हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर और अन्य हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाते हैं। इसलिए संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और वजन पर नियंत्रण

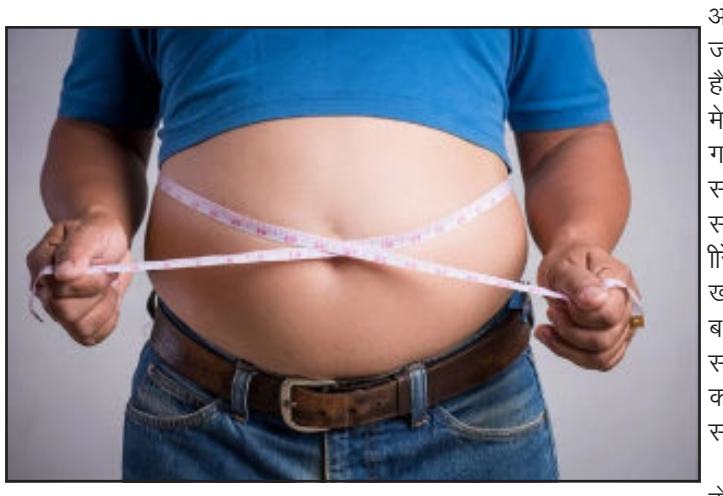

रखना दिल को स्वस्थ रखने में मददगार हो सकता है।

स्ट्रोक

स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है, जिसमें दिमाग तक खून की आपूर्ति बाधित हो जाती है या मस्तिष्क की कोई रक्त वाहिका फट जाती है। इससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। मोटापा हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ाता है, जो स्ट्रोक के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। इसलिए वजन को नियंत्रित रखना और ब्लड प्रेशर की नियमित जांच करवाना जरूरी है।

लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने पर फैटी लिवर की समस्या हो सकती है। आजकल इसे मेटाबॉलिक डिसफंक्शन–एसोसिएटेड स्टियाटोटिक लिवर डिजीज भी कहा जाता है। मोटापा, खासकर पेट के आसपास जमा चर्बी, इस बीमारी का जोखिम बढ़ा सकती है। कुछ लोगों में यह समस्या आगे चलकर लिवर में सूजन, फाइब्रोसिस और सिरोसिस जैसी गंभीर स्थिति का कारण बन सकती है। वजन को नियंत्रित रखना और संतुलित खानपान लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का समूह है, जो एक साथ होने पर दिल की बीमारी, स्ट्रोक और टाइप–2 डायबिटीज का खतरा बढ़ा देती हैं।

इसमें मुख्य रूप से ये स्थितियां शामिल होती हैं

कमर के आसपास अधिक चर्बी जमा होना

खून में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ना

हाई ब्लड प्रेशर

फास्टिंग ब्लड शुगर का बढ़ना

अच्छे कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल का कम होना

इनमें से तीन या उससे अधिक समस्याएं होने पर मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्थिति मानी जा सकती है। मोटापा इसका एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और वजन पर नियंत्रण रखने से इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस

मोटापे का असर सिर्फ दिल और लिवर पर ही नहीं, बल्कि हड्डियों और जोड़ों पर भी पड़ता है। शरीर का अतिरिक्त वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर दबाव बढ़ा सकता है। इससे ऑस्टियोआर्थराइटिस का खतरा बढ़ सकता है। इस समस्या में जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न महसूस होती है, जिससे चलने–फिरने और रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो सकती है। वजन कम करने से जोड़ों पर पड़ने वाला दबाव घटाने में मदद मिल सकती है।

गाउट

गाउट गठिया का एक प्रकार है, जिसमें जोड़ों में अचानक तेज दर्द, सूजन और लालिमा हो सकती है। यह समस्या तब होती है जब शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है और उसके क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं। मोटापा और मेटाबॉलिक समस्याएं गाउट का जोखिम बढ़ा सकती हैं। डॉक्टर की सलाह से वजन को धीरे–धीरे कम करना और खानपान में जरूरी बदलाव करना इस समस्या को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

मोटापा कम करने के लिए अपनाएं ये आदतें

वजन कम करने के लिए अचानक डाइटिंग या बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करने के बजाय धीरे–धीरे स्वस्थ आदतें अपनाना बेहतर है।

रोजाना कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करने की कोशिश करें।

खाने में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त चीजें शामिल करें।

मीठे पेय पदार्थों, जंक फूड और अधिक तली–भुनी चीजों का सेवन सीमित करें।

पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

लंबे समय तक बैठे रहने से बचें और बीच–बीच में टहलें।

समय–समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं।

नोटः मोटापा इन बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर ओवरवेट व्यक्ति को ये सभी बीमारियां होंगी। वजन घटाने की योजना अपनी उम्र, स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता के अनुसार बनाएं। अगर आपको पहले से कोई बीमारी है या वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो डॉक्टर और डाइटिशियन की सलाह जरूर लें।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी, कहा– एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी। गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत



की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है। भारतीय कप्तान ने कहा, अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5–10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे। वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे। उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी। भारत के लिए, यह फैसला एक संभावित जीत की कोशिश और एक मुश्किल टेस्ट शेड्यूल के दौरान खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करने के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश को दिखाता है। दो मैचों के बीच कम गैप एक अहम बात थी।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर भारतीय शेयर बाजार बंद

मुंबई, एजेंसी। गुरु नानक जयंती के चलते भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बंद रहेगा। इस दौरान इक्विटी के साथ डेरिवेटिव्स और अन्य सेगमेंट में भी कारोबार नहीं होगा। इस दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कारोबार में भी पूरी तरह से रोक रहेगी। हालांकि, कमोडिटी मार्केट आंशिक रूप से बंद रहेगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे के सत्र में कारोबार बंद रहेगा, जबकि शाम के सत्र में 5 बजे से रात 11रू30 बजे तक कारोबार सामान्य रहेगा। लेकिन नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) पर कारोबार पूरी तरह से बंद रहेगा। यह नवंबर में पड़ने वाली दूसरी शेड्यूल छुट्टी है।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास, भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने

इंदौर, एजेंसी। दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप–बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के



शामिल थे। प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188' से सिर्फ सात रन कम है।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स: यूएई ए ने भारत ए के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी

दोहा, एजेंसी। एसीसी मेन्स एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में मंगलवार को भारत ए और यूएई ए के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित करने के इरादे से खेलेगी। यूएई को टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत का इंतजार है। यूएई के कप्तान बासिल हमीद ने कहा, हम पहले बैटिंग करेंगे। वे सबसे मजबूत टीमों में से एक हैं। हमें उन्हें चुनौती देनी होगी। देखते हैं कि हम कितना टोटल ले सकते हैं। टीम में कुछ बदलाव हैं। भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने कहा, हम चेज करना चाहते थे। देखते हैं कि पिच कैसी खेलती है। पिछले गेम से बहुत कुछ सीखने को मिला है। अभिषेक और शाहबाज खेले, उन्हें रन बनाते देखना वाकई अच्छा लगा, खासकर शाहबाज, जिस तरह



से खेले। हमने तीन बदलाव किए हैं। भारत ने आयुष बडोनी, प्रिंस यादव और विपराज निगम को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा है। उनकी जगह प्रभसिमरन सिंह, हर्ष दुबे और अरशद खान की टीम में वापसी हुई है। ग्रुप बी में मौजूद भारतीय टीम दूसरे स्थान पर है। टीम इंडिया ने अपने दो मैचों में एक जीत हासिल की है, जबकि एक मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में नेपाल को 306 रन के बड़े अंतर से हराया था, जबकि दूसरे मैच में पाकिस्तान से 48 रन से हारी थी। यूएई के खिलाफ इस मैच में जीत टीम इंडिया को सेमीफाइनल में जगह दिला देगी।

दिसंबर के पहले सप्ताह में बाजार में दस्तक देंगे दो आईपीओ

नयी दिल्ली, एजेंसी। दो कंपनियां मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड कारोबार विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूंजी जुटाने के मकसद से दिसंबर के पहले सप्ताह में अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए तैयार हैं। दोनों कंपनियों के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार मोनोमार्क इंजीनियरिंग का आईपीओ दो दिसंबर को खुलेगा और चार दिसंबर को बंद होगा, जबकि मातंगी रबर का सार्वजनिक निर्गम एक दिसंबर से तीन दिसंबर तक अभिदान के लिए उपलब्ध रहेगा। जबकि मोनोमार्क इंजीनियरिंग अपने सार्वजनिक निर्गम खुलने से एक दिन पहले एक दिसंबर को एंकर निवेशकों के लिए बोली आयोजित करेगी।

प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा, नीलामी 30 नवंबर को होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चौंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है। इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी



मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं। आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं। पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चौंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी। पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा। फारूकी ने कहा, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लीग का मकसद रेसलर्स को एक हाई–क्वालिटी कॉम्पिटिटिव प्लेटफॉर्म देना है, साथ ही दर्शकों को एक दिलचस्प अनुभव देना है।

सेबी ने आईपीओ के ग्रे मार्केट प्रीमियम के प्रचार–प्रसार पर रोक लगाने को कहा

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को बाजार के मध्यस्थों और अन्य प्रतिभागियों से आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के आंकड़ों का प्रकाशन और प्रचार–प्रसार बंद करने को कहा। इसके साथ ही, सेबी ने निवेशकों को आगाह किया कि वे जीएमपी को शेयरों के सूचीबद्ध होने के संभावित भाव या उनसे मिलने वाले रिटर्न का संकेतक न मानें। जीएमपी उन अनौपचारिक और अपुष्ट कीमतों को कहा जाता है, जिन पर किसी कंपनी के शेयरों के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले कारोबार किए जाने का दावा किया जाता है। ऐसे सौदे मान्यता–प्राप्त शेयर बाजारों के दायरे से बाहर होते हैं। इन पर नियामकीय निगरानी नहीं होती और न ही निवेशकों को कोई सुरक्षा या सौदे के निपटान की गारंटी मिलती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बयान में कहा कि आईपीओ के जीएमपी के आंकड़े वेबसाइट, डिजिटल मंचों, समाचार पत्रों और यहां तक कि सेबी में पंजीकृत कुछ मध्यस्थों एवं बाजार प्रतिभागियों की ओर से भी व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा रहे हैं। सेबी ने कहा कि ऐसे प्रीमियम के आंकड़ों का प्रकाशन निवेशकों के हितों के लिए नुकसानदेह हो सकता है और प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता एवं जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत है। नियामक ने सेबी में पंजीकृत सभी मध्यस्थों और बाजार प्रतिभागियों को अपनी वेबसाइट, डिजिटल मंचों और ईमेल, एसएमएस तथा सोशल मीडिया सहित अन्य संचार माध्यमों पर आईपीओ के जीएमपी के आंकड़े प्रकाशित, प्रदर्शित या प्रसारित नहीं करने की सलाह दी है।

न्यूजीलैंड किसी भी चुनौती के लिए तैयार : ल्यूक रोंची

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड के बैटिंग कोच ल्यूक रोंची का मानना है कि उनकी टीम की नई जरूरतों के हिसाब से ढलने और ड्रॉ हुए शुरुआती टेस्ट में भारत के गेंदबाजी अटैक का सामना करने की काबिलियत, शुक्रवार से हेगले ओवल में शुरू होने वाले दूसरे और आखिरी मैच से पहले उन्हें आत्मविश्वास देगी। रोंची ने वेलिंगटन में पूरे दिन दबाव में बल्लेबाजी करने के लिए बल्लेबाजी यूनिट की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने ग्रुप की अलग–अलग रणनीतिक चुनौतियों का जवाब देने की काबिलियत को दिखाया। न्यूजीलैंड आखिरी दिन लगातार दबाव का सामना करने के बावजूद भारत को ड्रॉ पर रोकने में कामयाब रहा, जिसमें ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिशेल ने मेहमान टीम को रोकने में अहम रोल निभाया। रोंची ने कहा कि टीम का रिस्पॉन्स खास तौर पर हिम्मत बढ़ाने वाला था। रोंची ने मंगलवार को रिपोर्टर्स से कहा,



मुझे ऐसा लगता है कि आखिर में सरफेस काफी नरम थी। आखिरी दिन जिस तरह से उन्होंने उस अटैक के खिलाफ बल्लेबाजी की और उनसे जो सवाल पूछे गए, मुझे लगता है कि इंडियंस हम पर जो कुछ भी करने की कोशिश कर रहे थे, उससे कैसे निपटना है, यह वाकई बहुत अच्छा था। हम पहले कभी ऐसी स्थिति में नहीं रहे, खासकर जब से मैं इसमें शामिल हुआ हूं। इसलिए मुझे भी लगता है कि, जैसा आपने कहा, इसे अब अगले टेस्ट में ले जाना है और अलग–अलग हालात में हम ढल सकते हैं और उन मौकों का पूरा फायदा उठा सकते हैं। रोंची ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बातचीत एक जैसी बैटिंग अप्रोच अपनाने के बजाय अपनी–अपनी जिम्मेदारियों को समझने और हालात पर रिस्पॉन्ड करने के बारे में थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे अलग–अलग खिलाड़ियों ने टीम की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने–अपने तरीके से योगदान दिया। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अब भी वही बातचीत है। अब भी एडजस्ट करने की क्षमता है। आप अपना रोल जानते हैं और हर पल में क्या करना चाहते हैं। जिस तरह से रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स इसे करते हैं, यह सब बहुत अलग है। आप यह भी जानते हैं कि उन पलों में वे टीम के लिए जो भी जरूरी है, वह कर रहे हैं और यह भी बहुत अच्छी बात है। रोंची ने कहा, यह अनुभव खास तौर पर तब काम आएगा, जब न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ी ज्यादातर व्हाइट–बॉल क्रिकेट में शामिल रहे थे। आप फॉर्मेट के बीच थोड़ा–बहुत बदलाव करते रहते हैं। न्यूजीलैंड में खेलने के लिए यह एक अलग तरह का गेम था। मुझे लगता है, अलग–अलग चीजें हमारे सामने आएंगी। हम सच में इसका मुकाबला कर पाएंगे। बल्लेबाजी कोच ने यह भी माना कि मैच ड्रॉ होने से पहले जीत के करीब पहुंचने के बाद भी भारत के मन में नतीजे को लेकर मिली–जुली भावनाएं होंगी। हालांकि, उन्हें लगा कि हालात ने दोनों टीमों के लिए बैटिंग को और मुश्किल बना दिया है। रोंची ने फिलिप्स और मिशेल की खास तारीफ की, जिनका अनुशासन और अपनी नैचुरल अटैकिंग आदत को दबाने की इच्छा निर्णायक साबित हुई। उन्होंने बताया कि दोनों के साथ बातचीत में जब हालात में सब्र की जरूरत हो, तो बड़े शॉट खेलने की इच्छा को मैनेज करना शामिल था।

गोल्ड लोन कारोबार के अधिग्रहण की रिपोर्ट को किया खारिज

मुंबई, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि कंपनी गोल्ड लोन क्षेत्र में अधिग्रहण के अवसरों का मूल्यांकन कर रही है। कंपनी ने कहा कि ये दावे निराधार हैं और उसकी वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। स्टॉक एक्सचेंजों को दिए स्पष्टीकरण में गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने कहा कि वह 23 नवंबर को प्रकाशित एक समाचार रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रही है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कंपनी गोल्ड फाइनेंस कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए संभावित अधिग्रहण के अवसर तलाश रही है। साथ ही इसी जानकारी के आधार पर प्रकाशित अन्य खबरें भी गलत हैं।

रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी से ग्रोथ को खतरा, 0.25 प्रतिशत का इजाफा पर्याप्त : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई रिसर्च ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा दिसंबर की मौद्रिक नीति में महंगाई को काबू करने के लिए ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना पर्याप्त होगा। साथ ही,रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से पूंजी की निकासी, रुपए में अस्थिरता और निश्चित रूप से आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं पैदा हो सकती हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि नवंबर का महीना अमेरिकी बाजारों और उनसे जुड़े अन्य बाजारों के लिए काफी कठिन रहा है, जो कई मोर्चों पर दबाव का सामना कर रहे हैं। अमेरिकी हाउसिंग मार्केट, जो परिवारों की आर्थिक कमजोरी का सबसे अहम संकेतक है, उसमें कई कारणों से उभरते हुए दबाव के संकेत दिखाई दे रहे



हैं। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया कि इसमें पहला कारण बंधक ऋण 13.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जबकि उपभोक्ता ऋण पर ब्याज दरें 11.9 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे परिवारों पर कर्ज चुकाने का बोझ बढ़ गया है। वहीं दूसरा, कर्ज लेने की ऊंची लागत के कारण घरों का किफायती होना और उनकी मांग प्रभावित हो रही है। तीसरी बात, घर के मालिकों की इक्विटी जीडीपी के लगभग 110 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बनी हुई है, जो यह दर्शाता है कि मौजूदा घर मालिकों के पास काफी संपत्ति जमा हो गई है। हालांकि, इससे घरों की खरीद–बिक्री या आवाजाही में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। इसका एक कारण मॉर्गेज दरों का लॉक–इन होना या गोल्डन हैंडकफ्स (यानी कम ब्याज दर पर बंधे रहने के कारण दूसरी जगह न जा पाना) जैसा प्रभाव है। रिपोर्ट में कहा गया, भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण नवंबर के पहले पखवाड़े में गोल्ड ईटीएफ में रिकॉर्ड 706 मिलियन डॉलर का निवेश आया है। इससे पहले अक्टूबर में 657 मिलियन डॉलर की निकासी हुई थी, जो अब उलट गई है। यह स्थिति संकट के पिछले दौर की याद दिलाती है, जब इक्विटी बाजारों में मंदी के बावजूद सोने और चांदी की कीमतें गिर गई थीं, लेकिन कुछ ही महीनों में दोगुनी हो गई थीं। अमेरिकी बाजारों में मौजूदा गिरावट वाकई बहुत गंभीर है।

आरबीआई म्यूचुअल फंड को साउथ इंडियन बैंक में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने के एसबीआई म्यूचुअल फंड के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बैंक ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी। बैंक ने बताया कि उसे इस मंजूरी की जानकारी 23 नवंबर को दी गई। यह मंजूरी संबंधित नियामकीय शर्तों के अनुपालन पर निर्भर है। साउथ इंडियन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, आरबीआई ने एसबीआई म्यूचुअल फंड को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में कुल 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दी है।

एशिया में भारत का बढ़ता प्रभाव, आर्थिक और रणनीतिक ताकत को प्रभाव में बदलने में हुआ अधिक सक्षम : लोवी इंस्टीट्यूट की श्रुति पंडालाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लोवी इंस्टीट्यूट में इंडिया चेयर श्रुति पंडालाई ने सोमवार को कहा कि एशिया पावर इंडेक्स में भारत की बेहतर रैंकिंग यह दर्शाती है कि देश अपनी आर्थिक, कूटनीतिक और रणनीतिक क्षमताओं को प्रभाव में बदलने में पहले की तुलना में अधिक सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में एक अधिक प्रभावशाली और परिणामकारी शक्ति के रूप में उभर रहा है तथा चीन के साथ उसका अंतर 2018 में इस सूचकांक की शुरुआत के बाद सबसे कम स्तर पर पहुंच गया है। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में पंडालई ने कहा कि इस रिपोर्ट का निष्कर्ष यह नहीं है कि भारत की शक्ति में अचानक कोई नाटकीय बढ़ोतरी हुई है। बल्कि यह दिखाता है कि भारत अपनी मौजूदा क्षमताओं का उपयोग वैश्विक और क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने के लिए अधिक कुशलता से कर रहा है। उन्होंने कहा, यह रिपोर्ट वास्तव में बताती है कि भारत एक अधिक प्रभावशाली और प्रभावी शक्ति बन रहा है। इसे भारत की शक्ति में अचानक आई बड़ी छलांग के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इस रूप में कि भारत अपनी क्षमताओं को प्रभाव में बदलने में अधिक कुशल हुआ है। पंडालई ने बताया कि एशिया पावर इंडेक्स में भारत के कुल स्कोर में सीमित लेकिन सकारात्मक बढ़ोतरी हुई है, जबकि चीन का स्कोर लगभग स्थिर रहा।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.: UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

लोक हस्तक्षेप

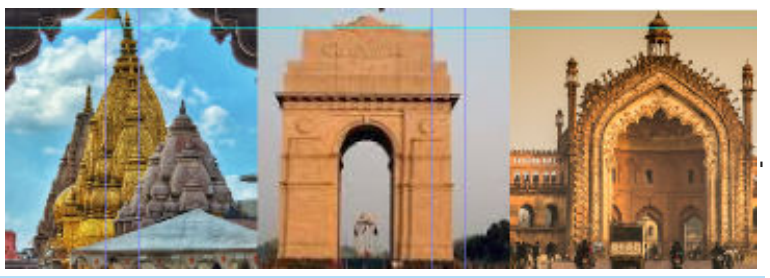

यूएन में बोला भारतः एआई खतरों से निपटना जरूरी, ब्लैक सी में सुरक्षित हो सप्लाई चेन

न्यूयॉर्क। भारत ने वैश्विक मंच पर उभरती प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित और न्यायसंगत उपयोग को लेकर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। फ्तेजी से होते तकनीकी बदलावों के दौर में संघर्ष समाधानष विषय पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की उच्च–स्तरीय खुली बहस में भारत ने चार मुख्य सिद्धांतों पर विशेष जोर दिया। लातविया की अध्यक्षता में बुलाई गई इस बैठक में भारत का पक्ष रखते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ा पी. हरीश ने कहा कि तकनीक को हमेशा मानव–केंद्रित और वैश्विक शांति का साधन बने रहना चाहिए, न कि वह स्वयं में एक लक्ष्य बन जाए।

यूएन स्थित भारत के स्थायी मिशन ने कहा, राजदूत हरीश ने चार प्रमुख बिंदुओं को रेखांकित किया। पहला, तकनीक मानव–केंद्रित रहे और शांति स्थापना में सहायक बने। दूसरा, संघर्ष की स्थितियों में नई तकनीकों का इस्तेमाल पूरी तरह जिम्मेदारीपूर्ण, मानव–केंद्रित, संप्रभुता का सम्मान करने वाला और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होना चाहिए। तीसरा, हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी उभरती तकनीकों के दुरुपयोग, विशेष रूप से आतंकवादियों और नॉन–स्टेट



तत्वों द्वारा इसके इस्तेमाल से पैदा होने वाले गंभीर खतरों से निपटना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि घातक स्वायत्त हथियार प्रणालियों के निर्णय की जिम्मेदारी हमेशा इंसानों के पास ही रहनी चाहिए।

चौथे बिंदु पर जोर देते हुए भारतीय राजदूत ने कहा कि तकनीकी बदलावों के कारण दुनिया में पहले से मौजूद असमानताएं और गहरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्यात नियंत्रण के नाम पर तकनीक से वंचित रखने और ग्लोबल साउथ के देशों को केवल एक उपभोक्ता मात्र समझने की प्रवृत्ति पर चिंता जताई।

इससे ठीक एक दिन पहले, राजदूत हरीश ने यूएनएससी की एक अन्य उच्च–स्तरीय ब्रीफिंग में भी भारत का बयान रखा था।

इस दौरान उन्होंने महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे और वैश्विक खाद्य आपूर्ति के लिए श्ब्लैक सीश (काला सागर) की जीवन–रेखाओं की सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों पर हमलों को तत्काल रोकने तथा संवाद व कूटनीति के माध्यम से संघर्ष समाप्त करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई।

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

कला ही है हमारे राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत : सुमिता रांगी

गुरुग्राम । जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी गुरुग्राम सह डाइट प्रिंसिपल सुमिता रांगी के कुशल नेतृत्व एवं ट्रेनिंग विंग इंचार्ज सोना यादव की देखरेख में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम में कला शिक्षकों के लिए कौशल आधारित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। डाइट गुरुग्राम से ट्रेनिंग विंग के सदस्य प्राध्यापक डॉ. ओमबीर यादव ने बताया कि कौशल आधारित 3 दिवसीय कार्यशाला के तीसरे बैच में गुरुग्राम और फरीदाबाद जिले के कला शिक्षक भाग ले रहे हैं। जिसका समापन 27 नवंबर को होगा। कार्यशाला का चौथा बैच 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक चलेगा। इस कौशल आधारित कार्यशाला के नोडल अधिकारी राजेश खन्ना हैं। कौशल आधारित कार्यशाला के तीसरे बैच के शुभारंभ की अध्यक्षता सुमिता रांगी ने की। उन्होंने कहा कि कला विषय का व्यवसायिक शिक्षा से गहरा संबंध है। कला को जीवन में व्यवहारिकता से जोडना होगा।



कला ही जीवन की वास्तविक प्रेरणा है। कला सिर्फ एक विषय तक ही सीमित नहीं है। कला का सभी विषयों के साथ समावेशन होना अत्यंत आवश्यक है। कला ही हमारे राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत है।

इसमें विद्यार्थियों के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति –2020 में विद्यार्थियों के कौशलों का विकास करने पर विशेष बल दिया गया है। विद्यार्थियों के रुचि के अनुसार उनके कौशलों को विकसित करना ही इस कौशल आधारित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। हमारे सभी शिक्षक यहां पर सीखे हुए ज्ञान को अपने विद्यार्थियों तक पहुंचाएंगे, तभी इस कार्यशाला की सार्थकता सिद्ध होगी। इस कौशल आधारित कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर के रूप में सुनीता रानी, प्रीति सैनी, पूनम, पूजा, संदीप, प्रदीप एवं राजकुमार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यशाला को सफल बनाने में डाइट प्रभारी पृथ्वीराज, वरिष्ठ प्राध्यापक तख्त सिंह चौहान, वरिष्ठ प्राध्यापक अरुण कुमार राघव, मुकेश कुमार शर्मा आदि का योगदान है।

आईसीसी से बाहर होने की प्रक्रिया शुरू करने वाला चौथा देश बना ताजिकिस्तान

हेग, एजेंसी। नीदरलैंड्स के हेग स्थित इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) से ताजिकिस्तान ने औपचारिक रूप से बाहर होने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. वह ऐसा करने वाला चौथा देश बन गया है. इससे पहले चाड, वेनेजुएला और प्रशांत महासागर के छोटे देश नाउर ने भी आईसीसी से बाहर होने का एलान किया था. ये फैसले अमेरिका की ओर से जुलाई में देशों से आईसीसी छोड़ने की अपील के बाद आए हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो आईसीसी की लगातार आलोचना कर रहे हैं. ट्रंप ने कोर्ट पर अपने अधिकार क्षेत्र का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है और इस संस्था को खत्म करने की मंशा भी जाहिर की है। मार्च 2026 में आईसीसी ने ताजिकिस्तान की आलोचना की थी. मामला 2025 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ताजिकिस्तान दौरे से जुड़ा था. अदालत ने



पुतिन के खिलाफ यूक्रेन में कथित युद्ध अपराधों को लेकर गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है. इसके बावजूद ताजिकिस्तान ने उनके दौरे के दौरान उन्हें गिरफ्तार नहीं किया था। आईसीसी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि ताजिकिस्तान का यह फैसला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्याय की कोशिशों को कमजोर कर सकता है. इससे अपराधियों को सजा दिलाने के वैश्विक प्रयासों पर भी असर पड़ सकता है. कोर्ट ने यह भी साफ किया कि सदस्यता छोड़ने का फैसला उन जिम्मेदारियों को खत्म नहीं करेगा, जो किसी देश पर सदस्य रहते हुए लागू थीं।

दक्षिण कोरिया में देर से शादी का चलन बढ़ा

सोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में देर से शादी करने का चलन लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार को जारी जनगणना 2025 के आंकड़ों से पता चला है कि पिछले साल 30 की उम्र के आधे से अधिक लोग अविवाहित रहे। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरिया में 30 से 39 साल की उम्र के आधे से ज्यादा लोग अब तक अविवाहित हैं। जनगणना 2025 के आंकड़े इसकी तस्दीक करते हैं। इनके मुताबिक, इस आयु वर्ग के 53.1 प्रतिशत लोगों ने खुद को अविवाहित बताया। पांच साल पहले यानी 2020 में यह आंकड़ा 42.5 प्रतिशत था। वर्ष 2000 में तो इस उम्र के केवल 13.4 प्रतिशत लोग ही अविवाहित थे। यानी करीब 25 साल में तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। इस बदलाव में पुरुषों और महिलाओं के आंकड़ों में भी अंतर दिखाई देता है। 30 से 39 वर्ष के 61.1 प्रतिशत पुरुष अविवाहित हैं, जबकि महिलाओं में यह अनुपात 44.3 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि दक्षिण कोरिया में शादी की उम्र लगातार आगे खिसक रही है।

लाडो लक्ष्मी योजना की करीब दो लाख आवेदकों की जन्म तिथि सत्यापन बाकी

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की श्लाडो लक्ष्मी योजनाश का लाभ पाने के लिए आवेदन करने वाली प्रदेश की 1,98,707 महिलाओं का जन्मतिथि सत्यापन पेंडिंग है। अकेले रेवाड़ी जिले में ही ऐसे 7,308 मामले लंबित हैं। इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए अब सेवा विभाग की ओर से इन सभी पात्र महिलाओं को एस एम एस भेजकर ऑनलाइन दस्तावेज जमा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। परिवार पहचान प्राधिकरण और क्रिड विभाग की टीमें सत्यापन कार्य को तेजी से निपटाने में जुटी हैं। परिवार पहचान पत्र स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतीश खोला ने आवेदक महिलाओं से अपील की है कि वे विभाग द्वारा भेजे गए एसएमएस को गंभीरता से लें। जिन महिलाओं की जन्मतिथि अभी तक सत्यापित नहीं हुई है, वे सरकारी निर्देशों के अनुसार अपने प्रमाणित दस्तावेज तुरंत ऑनलाइन अपलोड करें, ताकि योजना की राशि मिलने में किसी तरह की देरी न हो। डॉ. खोला ने बताया कि सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। योजना का पैसा सही और पात्र लाभार्थियों के खाते में समय पर पहुंचे, इसके लिए जन्मतिथि सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। क्रिड विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे दस्तावेज जमा करवाने आ रही महिलाओं का मार्गदर्शन करें और पेंडिंग मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करें।



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली